शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 29 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-359

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रुदालियां गा रहे कांग्रेस नेता

तब कहां थे जब 'राजपुत्र' फाड़ रहे थे विधेयक?

शुभ-लाभ चिंतन

राहुल गांधी ने अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री को बेइज्जत किया

भारत के 13वें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को निधन हो गया। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भी कांग्रेस पार्टी सस्ती राजनीति करने से कोई परहेज नहीं कर रही। जिस प्रधानमंत्री को उनके दिवंगत होने के बाद कांग्रेस पार्टी महान और महानायक बता रही है, उसी प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए कांग्रेस से राजपुत्र राहुल गांधी ने बार-बार अपमानित किया। यहां तक कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह इस्तीफा देने के चरम निर्णय की स्थिति में आ गए थे। डॉ मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस का उनके प्रति सम्मान दिखाना सच्चा है या कितना मक्कारी से भरा, यह पृष्ठभूमि में झांकने से स्पष्ट हो जाता है। यह भी अजीब ही है कि कांग्रेस किस मुंह से आज उनका गुणगान कर रही है, जिसने उन्हें कठपुतली बना कर रखने पर मजबूर किया। यह सही है कि मनमोहन सिंह का योगदान भारत की राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक अविस्मरणीय अध्याय है, लेकिन यहां पर बात कांग्रेस के मूल चरित्र की हो रही है। खास कर उस समय जब 92 वर्षीय डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके प्रतिभावान सुपुत्र राहुल गांधी उन्हें शत-शत श्रद्धांजलि दे रहे हों और उनके निधन को निजी-क्षति बता रहे हों।

एक कुशल अर्थशास्त्री और समर्पित राजनेता के रूप में उनकी पहचान थी। लेकिन उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल को विवादों और अपमानजनक घटनाओं से भी जोड़कर देखा जाता है। देश के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण ने उन्हें राजनीतिक दबावों और व्यक्तिगत अपमान के बावजूद राष्ट्रहित के लिए काम करने की प्रेरणा दी। आज कांग्रेस पार्टी उनके योगदान का गुणगान कर रही है, जबकि वही पार्टी कई मौकों पर उन्हें अपमानित करने का कारण भी बनी। डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन की उन चार प्रमुख घटनाओं का जिक्र यहां जरूरी है, जब उन्होंने अपमान सहते हुए भी देश के लिए काम किया।

राहुल गांधी ने अपना संस्कार जहां से प्राप्त किया है, पहले वहीं की बात करते हैं। राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने योजना आयोग की तुलना जोकर आयोग से की थी, जब मनमोहन सिंह खुद योजना आयोग के उपाध्यक्ष थे। यह बात साल 1986 की है। राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री थे और डॉ. मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष। मनमोहन सिंह ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर एक प्रेजेंटेशन दिया। राजीव गांधी इससे नाराज हुए और अगले दिन सार्वजनिक रूप से योजना आयोग को जोकर-आयोग की संज्ञा दे डाली। यह टिप्पणी मनमोहन सिंह के लिए बेहद अपमानजनक थी। कहा जाता है कि उन्होंने इस्तीफा देने का मन बना लिया था, लेकिन दोस्तों और सहकर्मियों की समझाने के बाद वे अपने पद पर बने रहे।

आज वही कांग्रेस पार्टी उन्हें देश का महानायक बता रही है, जबकि अतीत में उसने हमेशा डॉ. मनमोहन सिंह का अपमान ही किया। इन अपमानों की श्रृंखला बहुत लंबी है, लेकिन यहां कुछ चुनिंदा मामले सामने रख कर कांग्रेस के मूल चरित्र का दर्शन किया जा रहा है। साल 1991 में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया गया था। उन्होंने आर्थिक सुधारों की दिशा में साहसिक कदम उठाए और लाइसेंस राज खत्म करने जैसे अहम फैसले लिए। लेकिन कांग्रेस के सांसदों ने इन नीतियों का जमकर विरोध किया।

▶10 पर

प्रणब मुखर्जी की बेटी और नरसिम्हा राव के परिजनों ने उठाया सवाल

नरसिम्हा राव और प्रणब मुखर्जी की कांग्रेस ने क्यों की उपेक्षा?

जो गांधी परिवार का वफादारी नहीं उसके स्मारक की मांग नहीं

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस द्वारा उनके स्मारक की मांग ने इस मुद्दे को फिर से उजागर किया है कि कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के लिए स्मारक की मांग क्यों नहीं की, जबकि वे भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और देश देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए थे? प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली में उनके नाम पर एक स्मारक बनाने की मांग की। खड़गे ने अपने पत्र में मनमोहन सिंह के योगदान का उल्लेख करते हुए इसे देश के लिए सम्मान की बात बताया। यह मांग सुनने में भले ही संवेदनशील और जायज लगे, लेकिन इसने एक बार फिर पार्टी की राजनीति और उसके असली उद्देश्यों पर सवाल खड़े कर दिए।

प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब उनके पिता पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का निधन हुआ था, तब कांग्रेस ने उनके सम्मान में एक शोक सभा तक आयोजित नहीं की। उन्हें यह कहकर गुमराह किया गया कि राष्ट्रपति बन चुके लोगों के निधन पर कांग्रेस सीडब्लूसी (कांग्रेस वर्किंग ग्रुप) की बैठक नहीं बुलाती, जबकि खुद प्रणब मुखर्जी ने अपनी डायरी में ये बात लिखी है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. केआर नारायणन के निधन पर न सिर्फ बैठक बुलाई गई थी, बल्कि खुद प्रणब मुखर्जी ने ही संदेश भी लिया था। शर्मिष्ठा मुखर्जी का यह आरोप कांग्रेस नेतृत्व की प्राथमिकताओं और गांधी परिवार के प्रति उसकी वफादारी को दर्शाता है। इससे पहले भी कांग्रेस की इस नीति का उदाहरण पीवी नरसिम्हा राव के मामले में देखा गया। राव साहब, जो 1991 से 1996 तक देश के प्रधानमंत्री रहे और जिनके कार्यकाल में देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव पड़ी, उनके निधन के बाद पार्टी ने उन्हें पूरी तरह अनदेखा किया।

▶10 पर

अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन मानने से किया इन्कार

सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान के 19 फौजी मारे गए

काबुल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन मानने से किया इन्कार कर दिया है। अफगानिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी फौज द्वारा 26 दिसंबर को की गई कार्रवाई के जवाब में तालिबानी फौज ने पाकिस्तान सीमा पर हमला किया और पाकिस्तान के 19 फौजी मार डाले।

अंतरराष्ट्रीय सीमारेखा को नकारने का असर भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन की अंतरराष्ट्रीय सीमारेखा पर भी पड़ने वाला है। भारत सरकार इस घटनाक्रम पर सतर्क निगाह रख रही है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार की फौज ने पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में सिलसिलेवार हमले कर कम से कम 19 पाकिस्तानी फौजी मार डाले। तालिबान ने यह हमला पाकिस्तान द्वारा 26 दिसंबर को अफगान सीमा पर की गई बमबारी के जवाब में किया है। पाकिस्तानी हमलों में

भारत-पाकिस्तान पर भी पड़ेगा सीमारेखा विवाद का असर

अफगानिस्तान के 46 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे। अफगानिस्तान तालिबान के प्रवक्ता ने कथित काल्पनिक सीमारेखा (डूरंड लाइन) पर हमले की बात कबूली है। काल्पनिक रेखा नाम का यह शब्द अफगानिस्तान के अधिकारियों द्वारा उस बॉर्डर से संबंधित है जिसका विवाद पाकिस्तान से चल रहा है।

▶10 पर

लश्कर आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की संदेहास्पद मौत

लाहौर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों की फेहरिस्त से एक और नाम हमेशा के लिए मिट गया। कुख्यात आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा का नायब अमीर (डिप्टी चीफ) अब्दुल रहमान मक्की की लाहौर में संदेहास्पद मौत हो गई। उसकी मौत रहस्यमय है, लेकिन पाकिस्तान कह रहा है कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई।

मक्की की मौत को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र द्वारा उसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद पाकिस्तान ने उसे सार्वजनिक नजरों से छुपा दिया था। वह रहस्यमय तरीके से गायब कर दिया गया था, जबकि अफवाहें थीं कि कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने उसे उठा लिया। पाकिस्तान सरकार उसे लगातार एक जगह से दूसरी जगह छुपाकर रख रही थी। अब उसकी मौत का समय और परिस्थितियां सवाल खड़े कर रही हैं। क्योंकि अभी तक यही जानकारी आ रही है कि उसकी मौत अस्पताल में हुई है। मक्की ने भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों की योजना बनाई थी। 26/11 मुंबई हमले के अलावा 2000 में लाल किले पर हमला, 2008 में रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर

▶10 पर

राष्ट्रीय सम्मान के साथ हुआ पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार

डॉ. मनमोहन सिंह को पूरे देश ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ शनिवार को निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे पहले उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया, जहां पार्टी कार्यकर्ता व आम जनता ने उनके दर्शन किए।

निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को अंतिम सलामी दी गई। तीनों सेनाओं ने मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को सलामी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई वरिष्ठ नेता निगम बोध घाट पहुंचे। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निगम बोध घाट पहुंचे। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह को अंतिम बार निगम बोध घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी मुख्यालय पर कांग्रेस सासंद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई नेताओं ने पूर्व पीएम के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी के अलावा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि ने निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को दी अंतिम श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निगम बोध घाट पर देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

● मनमोहन सिंह के स्मारक पर सियासी गहमा-गहमी ●

भाजपा ने कांग्रेस की मंशा पर डाला पानी

केंद्र सरकार ने मनमोहन सिंह के स्मारक को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की मांग पर कांग्रेस द्वारा शुरू की गई ओछी सियासत पर भाजपा ने मन भर पानी उड़ेल कर उसे ठंडा कर दिया है। केंद्र सरकार स्मारक बनाने पर राजी हो गई है। खुद गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को यह जानकारी देकर उन्हें राजनीति का स्तर समझा दिया। अमित शाह ने डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को भी केंद्र के फैसले के बारे में जानकारी दी। यह विवाद शांत होने पर अब कांग्रेस कोई दूसरा मसला तलाश रही होगी। केंद्र सरकार की तरफ से पहले ही साफ कर दिया गया था कि उन्हें स्मारक के लिए एक उचित स्थान खोजना पड़ेगा, जहां मेमोरियल का निर्माण होगा। लेकिन कांग्रेस और कुछ दूसरी पार्टियां चाहती थीं कि जहां अंतिम संस्कार होगा, वहीं पर स्मारक भी बनना चाहिए। पार्टी नेता जयराम रमेश ने तो यहां तक कह दिया था कि अगर सरकार ने यह मांग नहीं मानी तो यह देश के पहले सिख प्रधानमंत्री का अपमान होगा। जयराम रमेश पूर्व प्रधानमंत्री के निधन को शोक पर सियासत से नहीं चूके। उन्हीं के सुर में सुर मिलाते हुए अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल ने भी अपनी भड़ास निकाली। केंद्र ने तब भी कहा था कि इस मुद्दे पर किसी भी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, पीएम मोदी के

▶10 पर

जेड प्लस सुरक्षा में रहेंगी मनमोहन सिंह की पत्नी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2019 में डॉ. मनमोहन सिंह का एसपीजी सिक्योरिटी कवर वापस ले लिया गया था। एसपीजी की जगह पर उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मुहैया कराई गई। अब उनकी पत्नी गुरुशरण कौर को भी सीआरपीएफ जेड प्लस सुरक्षा मिलेगी। इस सुरक्षा घेरे में उनके पास बुलेटप्रूफ वाहन भी होगा। उनके आवास पर करीब चार दर्जन जवान मौजूद रहेंगे। हाई क्लास बुलेटप्रूफ बीएमडब्लू कार की सुविधा भी जारी रहेगी।

विडंबना यह है कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर भी राजनीति कर रही कांग्रेस ने तब यह मसला नहीं उठाया था, जब उनकी एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। तब विपक्ष की तरफ से कोई शोर शराबा नहीं हुआ था। कुछ माह बाद जब गांधी परिवार के सदस्यों की एसपीजी सुरक्षा हटाई गई तो विपक्ष ने चीख-पुकार शुरू कर दी और केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि

▶10 पर

बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों की घिनौनी करतूत

बलात्कार के बाद हिंदू महिला को जहर देकर मारा

ढाका, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार में हिंदुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। बावजूद इसके अंतरिम सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। बांग्लादेश सरकार वैश्विक दबावों को दरकिनार करते हुए ये कह रही है कि सब कुछ नॉर्मल है। हिंदुओं पर टार्गेटेड अटैक नहीं किए जा रहे हैं। लेकिन, एक बार फिर से एक हिंदू महिला को टॉर्चर किया गया है। बसाना मलिक नाम की 46 वर्षीय हिंदू महिला का बलात्कार करने के बाद मुस्लिम कट्टरपंथियों ने उसे जबरन जहर खिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

यह वारदात बांग्लादेश के नरैल जिले की बताई जा रही है। बसाना मलिक यूनियन परिषद की सदस्य के तौर पर चुनी गई थीं। लेकिन, इस्लामिक कट्टरपंथियों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। मलिक का रेप करने के बाद जहर खिलाकर उसकी हत्या कर दी गई। मलिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।लेकिन, मरने से पहले बसाना मलिक ने दरिंदों के

▶10 पर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया।

सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया।

खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी का फासीवाद विरोधी दलों से एक होने का आह्वान

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने आज सुबह मुक्ति संग्राम की भावना के साथ आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं की आकांक्षाओं से प्रेरित एक नया बांग्लादेश बनाने के लिए सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दलों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने यह तकरीर राजधानी के सुहरावर्दी उद्यान में आयोजित खिलाफत मजलिश के 12वें जनरल काउंसिल सत्र में की। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, डॉ. रहमान ने बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश 2024 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नए बांग्लादेश में सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होंगे। जमात प्रमुख ने अफसोस जताते हुए कहा, पिछले डेढ़ दशक में मुल्क के इस्लामी विद्वानों को अभूतपूर्व स्तर पर अन्याय और प्रतिशोध का शिकार होना पड़ा है। खिलाफत मजलिश में विभिन्न इस्लामी राजनीतिक संगठनों के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता को सीआईडी ने तलब किया

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे बेटे योशिता राजपक्षे को आपराधिक जांच

विभाग (सीआईडी) ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया है। उनसे कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में पूछताछ की जानी है। सीआईडी के अधिकारी 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज कर चुके हैं। सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। सीआईडी ने योशिता को पूछताछ के लिए 3 जनवरी को तलब किया है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे साल 2016 से किसी न किसी मामले में जांच का सामना कर रहे हैं। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (एफसीआईडी) ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

रूस ने यूक्रेन के एक एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया

मॉस्को, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस ने जापोरिजिया क्षेत्र में यूक्रेन के एक एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह विमान रूसी ठिकानों पर मिसाइल हमला करने की तैयारी कर रहा था। रूसी संघ के सार्वजनिक चैंबर के संप्रभुता, देशभक्ति परियोजनाओं और दिग्गजों के लिए समर्थन आयोग के अध्यक्ष व्लादिमीर रोगोव ने बताया, एफ-16 विमान क्षेत्र पर मिसाइल हमला करने की स्थिति में था, और तभी विमान को मार गिराया गया। कहा जा रहा हैं कि अगर यह सच है, यह यूक्रेन के लिए एफ-16 फाइटिंग फाल्कन का दूसरा नुकसान होगा।

इस साल अगस्त में रूसी मिसाइल हमले में यूक्रेन का पहला एफ-16 फाइटिंग फाल्कन क्रैश हो गया था, जिसमें पायलट ओलेक्सी मेस की मौत हुई थी। यूक्रेनी सेना का दावा है कि दुर्घटना का कारण दुश्मन के मिसाइल हमले का सीधा परिणाम नहीं था। सेना कहा कि यूक्रेनी पायलट ने रूस के बड़े हमले में तीन क्रूज मिसाइलों और एक ड्रोन को नष्ट कर दिया। हालांकि, रूस ने दावा किया था कि उसके हमलों के कारण यूक्रेन का पहला एफ-16 क्रैश हुआ था।

खबरों के अनुसार यूक्रेन को वादा किए गए बेल्जियम के एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए उम्मीद से ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा, जिन्हें शुरू में इस साल के अंत तक आने की योजना थी। नई रिपोर्ट से पता चलता है कि डिलीवरी की समयसीमा में देरी हो गई है, क्योंकि अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमानों की पहली यूनिट अब 2025 तक आने की संभावना नहीं है।

मई में, यूक्रेन और बेल्जियम ने एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 30 अमेरिकी निर्मित एफ-16 लड़ाकू विमानों का प्रावधान शामिल था। उस समय, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने उम्मीद जाहिर की थी कि पहला बैच 2024 के अंत तक आ जाएगा। हालांकि, यह समयसीमा अब संभव नहीं है।

बेल्जियम के रक्षा मंत्री लुडिविन डेडॉन्डर ने 2025 के लिए बेल्जियम सेना के संचालन की समीक्षा करने के लिए पिछले सप्ताह पोलैंड का दौरा किया, जिसके दौरान यह स्पष्ट हो गया कि यूक्रेन को एफ-16 की डिलीवरी इस साल नहीं होगी। बेल्जियम के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, देरी कई कारकों से हुई है, मुख्य रूप से पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित यूक्रेनी पायलटों की कमी और स्पेयर पार्ट्स की कमी।

अमेरिकी की थार्ड का पहला शिकार, इजराइल पर दागी हूती मिसाइल को टारगेट से पहले गिराया

तेल अवीव। अमेरिकी टर्मिनल हाई-एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (थार्ड) ने इजराइली की जमीन पर पहला शिकार किया। थार्ड ने इजराइल पर दागी गई हूतियों की मिसाइल को टारगेट पर लगने से पहले ही मार गिराया। इस हमले को नाकाम करने में इजराइली एरो सिस्टम का योगदान रहा। थार्ड सिस्टम को अक्टूबर में अपने 100 सदस्यीय चालक दल के साथ इजराइल में तैनात किया गया था। अमेरिका ने इसे ईरान के हमले को रोकने और इजराइल को सुरक्षा प्रदान करने के लिए भेजा था। मीडिया रिपोर्ट में सोशल मीडिया पर प्रकाशित एक वीडियो में अमेरिकी सैनिकों में से एक को यह कहते हुए सुना गया है कि मैंने इसके लिए 18 साल इंतजार किया है। अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने थार्ड एयर डिफेंस सिस्टम को विकसित किया है। इसका प्राथमिक उद्देश्य उड़ान के अंतिम चरण में छोटी और मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना है। यह इजराइल की एरो-3 डिफेंस सिस्टम के बराबर है। थार्ड बिना किसी वारहेड के हिट-टू-किल तकनीक का इस्तेमाल करता है। ऐसे में यह सिस्टम खतरनाक मिसाइल से टकराव से उत्पन्न तेज ऊर्जा पर निर्भर करता है। सिस्टम का रडार दो हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी पर मिसाइलों और विमानों का पता लगा सकता है और उन्हें ट्रैक कर सकता है, जिससे 200 किलोमीटर तक की रेंज में और 150 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर मिसाइलों को रोकना संभव है। शुक्रवार सुबह तड़के दागी गई हूतियों की मिसाइल को इजराइली क्षेत्र को पार करने से पहले ही रोक दिया गया। अमेरिका ने इजराइल के साथ अरबों डॉलर के हथियार सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं और देश में सैन्य बुनियादी ढांचे को उन्नत करने की योजना बना रहा है, जिसमें दक्षिणी इजराइल में एक बेस और एयरक्राफ्ट फैसिलिटी शामिल हैं। पेंटागन ने इजराइल में थार्ड सिस्टम तैनात करने की घोषणा में कहा कि यह कार्रवाई इजराइल की रक्षा और में अमेरिकियों को ईरान द्वारा किए जाने वाले किसी भी बैलिस्टिक मिसाइल हमले से बचाने के लिए अमेरिका की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन के निधन पर जताया शोक

वाशिंगटन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

कहा-भारत-अमेरिका संबंध किए मजबूत, वह सच्चे राजनेता, दयालु और विनम्र व्यक्ति थे

भारत के पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शोक प्रकट किया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक बयान जारी किया, जिसमें बाइडेन ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं भारत के लोगों के साथ भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच आज जो अभूतपूर्व सहयोग है, वह मनमोहन सिंह की रणनीतिक दृष्टि और राजनीतिक साहस के बिना संभव नहीं होता। अमेरिका और भारत सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट से लेकर इंडो-पैसिफिक साझेदारों के बीच पहले क्वाड की शुरुआत तक मनमोहन सिंह ने ऐसी ऐतिहासिक प्रगति की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया जो हमारे देशों और दुनिया को आने वाली पीढ़ियों तक मजबूत बनाए रखेंगी। बाइडेन ने मनमोहन सिंह को एक सच्चे राजनेता, एक समर्पित सार्वजनिक सेवक और एक दयालु और विनम्र व्यक्ति बताया है। उन्होंने मनमोहन के साथ अपनी व्यक्तिगत मुलाकातों को याद करते हुए कहा कि मुझे 2008 में सिनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में और 2009 में उपराष्ट्रपति के रूप में उनके आधिकारिक राज्य दौरे के दौरान मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर मिला था। 2013 में उन्होंने मेरा नई दिल्ली में ससम्मान स्वागत किया। हमने उस समय अमेरिका-भारत संबंध को मजबूत करने के लिए चर्चा किया था।

बाइडेन ने कहा कि जिल और मैं पूर्व प्रथम महिला गुरशरण कौर उनके तीनो बच्चों और भारत के सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मनमोहन सिंह को 1991 में नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान किए गए ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों के लिए जाना जाता है। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया और लाइसेंस राज को समाप्त कर दिया। पीएम के रूप में डॉ मनमोहन सिंह ने देश को परिवर्तनकारी बदलावों के एक दशक के दौरान नेतृत्व किया, जिससे उनका कार्यकाल जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद कांग्रेस के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबा बन गया। उनके नेतृत्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, आरटीआई और आरटीई जैसे ऐतिहासिक कानूनों की शुरुआत की।

जंगल में लगी आग ने अर्जेंटीना में नेशनल पार्क के 1,400 हेक्टेयर इलाके को किया नष्ट

ब्यूनस आयर्स, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिणी अर्जेंटीना के रियो नीग्रो प्रांत में जंगल की आग ने नहुएल हुआपी राष्ट्रीय उद्यान की लगभग 1,450 हेक्टेयर ज़मीन को नष्ट कर दिया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, शुक्रवार को पार्क प्रशासन ने एक रिपोर्ट में बताया कि बुधवार को पार्क के दक्षिणी हिस्से में आग लगी थी, जो अब लेक मार्टिन के उत्तरी हिस्से तक फैल गई है। यह क्षेत्र पहले ही 2022 में लगी जंगल की आग से बर्बाद हो चुका था।

इसमें कहा गया, सुरक्षा के लिहाज से, संरक्षित क्षेत्र के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में रास्तों को बंद कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आग के पीछे के हिस्से में अग्निशमन प्रयासों को बढ़ाने और बचाव दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 46 अग्निशामकों को तैनात किया गया था। इसके अलावा, जंगल की आग से निकलने वाले धुएं की वजह से दृश्यता बहुत खराब हो गई, इससे हवाई मदद संभव नहीं हो पाई।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, जंगल की आग का धुआं पहले ही बारिलोचे शहर को प्रभावित कर रहा है, जो अर्जेंटीना के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह शहर सर्दियों में स्की ढलानों और गर्मियों में झीलों और पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है।2024 में अर्जेंटीना के मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य हिस्सों में जंगल की आग का बड़ा प्रकोप हुआ, इससे जंगलों और कृषि भूमि का काफी हिस्सा नष्ट हो गया। सूखा और गर्मी के कारण अगस्त और इस सी सितंबर में जंगल में लगी आग और तेज हो गई।ब्राजील और पेरू जैसे कई अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों में भी भीषण गर्मी के कारण जंगल में जगी विनाशकारी आग से भारी नुकसान हुआ।अर्जेंटीना के अधिकारियों के अनुसार, इस साल जंगल की आग ने कम से कम 91,540 हेक्टेयर (226,200 एकड़) जमीन को जला दिया।

काबुल में लगातार दूसरे दिन विस्फोट, एक दिन पहले भारतीय दूतावास के पास हुए धमाके पर तालिबान ने साधी चुप्पी

काबुल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की राजधानी में शनिवार सुबह 10 बजे शेख जायद अस्पताल के सामने धमाका हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहां विस्फोट हुआ वह जगह आंतरिक मंत्रालय के कार्यालय के नजदीक थी। काबुल में यह 24 घंटे के भीतर दूसरा विस्फोट है। पहला धमाका एक दिन पहले काबुल के शाहरी नव इलाके में भारतीय दूतावास के पास हुआ था। अफगान सरकार ने इस घटना पर चुप्पी साधी हुई है।काबुल के स्थानीय निवासी समीउल्लाह ने बताया, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। विस्फोट के पीछे का मकसद अभी तक अज्ञात है। घटना के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।इससे पहले शुक्रवार को दोपहर करीब 3:30 बजे काबुल के शाहरी नौ इलाके में स्थित भारतीय दूतावास के पास स्थानीय लोगों ने विस्फोट की आवाज सुनी। अफगान तालिबान शासन ने इस घटना पर चुप्पी साधे रखी। हालांकि, रिपोर्टों से पता चला है कि विस्फोट में कम से कम 17 लोग हताहत हुए हैं।

काबुल में एक स्थानीय सूत्र ने बताया, कल (शुक्रवार) हुए विस्फोट में दर्जनों लोग मारे गए और ऐसा लग रहा था कि इसका टारगेटक काबुल में भारतीय दूतावास के पास कहीं था। 24 दिसंबर को जलालाबाद में भारतीय वाणिज्य दूतावास के एक अफगान कर्मचारी पर हमला किया गया और वह घायल हो गया।

काबुल में विस्फोट ऐसे समय में हो रहे हैं जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर झड़पें तेज हो गई हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, टोलोन्यूज ने राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र के हवाले से बताया कि पाकिस्तान की सीमा से लगे पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त और पक्तिका प्रांतों में भीषण झड़पें जारी हैं। सीमा चौकियों पर हुए भीषण संघर्ष में 19 पाकिस्तानी सैनिक और तीन अफगान नागरिकों की मौत हो गई।

यह झड़पें मंगलवार रात को पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक के बाद हुई हैं। हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 51 लोग मारे गए।

कभी एक दूसरे के गहरे दोस्त रहे तालिबान और इस्लामाबाद आज सैन्य झड़पों तक पहुंच गए हैं। इस्लामाबाद और काबुल के बीच दुश्मनी की सबसे बड़ी वजह तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी या पाकिस्तानी तालिबान) है।

टीटीपी का उद्देश्य पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और राज्य के खिलाफ आतंकवादी अभियान चलाकर पाकिस्तान सरकार को उखाड़ फेंकना है। मीडिया रिपोर्ट्स् के मुताबिक यह पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार को हटाकर इस्लामी कानून की अपनी व्याख्या के आधार पर एक कट्टरवादी शासन की नींव रखना चाहता है।हाल के दिनों में, इस्लामाबाद ने बार-बार अफगान सरकार पर सशस्त्र समूहों, विशेष रूप से टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाया है। हालांकि काबुल इस आर-ोप को खारिज करता रहा है।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

फैमिली संग समंदर किनारे खूबसूरत समय बिताते नजर आए विक्की-कैटरीना

अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने हाल ही में पति-अभिनेता विक्की कौशल के साथ बिताए छुट्टियों की झलक फैंस को दिखाई। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया। एक तस्वीर में कैटरीना, विक्की को गले लगाती नजर आईं।

सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम पर छुट्टियों की तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, परिवार, दोस्त और ब्रिटिश जंगली इलाके...(बॉक्सिंग डे पर जीरो महासागर में डुबकी लगाना हमेशा एक अच्छा विचार लगता है)।

एक रोमांटिक तस्वीर में कैटरीना कैफ, विक्की को गले लगाती नजर आईं, इस दौरान दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते और पोज देते नजर आए। समंदर किनारे परिवार संग खूबसूरत समय बिता रहे विक्की और कैटरीना ने ब्लैक कलर के आउटफिट को चुना।एक तस्वीर में जोड़ा खूबसूरत नजारों के बीच सैर का आनंद लेता नजर आया। वहीं, अन्य तस्वीरों में अपने दोस्तों के साथ पोज देते नजर आए।

हाल ही में अभिनेता विक्की कौशल ने समंदर के किनारे आराम करते हुए अपनी और कैटरीना की एक तस्वीर पोस्ट की थी। कैजुअल आउटफिट में जोड़ा कैमरे की तरफ पीठ करके प्रकृति की शांति के बीच आनंद लेता नजर आया। तस्वीर में दोनों साथ में पोज देते दिखे। विक्की ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन दिया, पॉज।कैटरीना इंटरनेट पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट के साथ छाई रहती हैं। अभिनेत्री ने क्रिसमस सेलिब्रेशन की तस्वीरें साझा की थी, जिसमें वह परिवार के साथ त्योहार मनाती नजर आई थीं। क्रिसमस की तस्वीरों को शेयर करते हुए कैफ ने कैप्शन में लिखा, मेरी मेरी मेरी (क्रिसमस ट्री इमोजी, ग्रीन हार्ट इमोजी)।कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने क्रिसमस का त्योहार लंदन में मनाया, जहां कैफ का परिवार भी साथ नजर आया।

इस बीच कैटरीना कैफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके पास फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' है, जिसमें उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी।

बचपन के दोस्तों संग छुट्टियां मनाने अचानक थाईलैंड निकले अनुपम खेर

अभिनेता अनुपम खेर अपने अजीज दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने थाइलैंड निकल गए हैं। अपडेट अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिया। दावा किया कि फैसला अचानक ही लिया।

थाईलैंड की उड़ान भरने से पहले अभिनेता अनुपम खेर ने अपने 55 साल पुराने दोस्तों से मिलवाया।

खेर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो मोंटाज साझा कर लिखा, मैं, विजय सहगल, अनिल शर्मा और सतीश मल्होत्रा शिमला में साथ रहते थे। हम पिछले 55 साल से दोस्त हैं। सब दादा-नाना बन चुके हैं! हमने जिंदगी के उतार-चढ़ावों में दोस्ती को बरकरार रखा। मेरा भाई राजू बाई डिफॉल्ट (अपने आप) हमारा दोस्त बना। छोटे शहरों में बड़े भाई के दोस्त छोटे भाई के दोस्त भी आसानी से बन जाते हैं। हम अलग-अलग शहरों में रहते हुए भी एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। पिछले हफ्ते मैंने इन्हें सरप्राइज दिया कि मैं उन्हें पांच दिनों के लिए छुट्टी पर थाईलैंड लेकर जा रहा हूं। किस्मत से सबके घरवाले मेरे इस अचानक लिए फैसले से खुश थे। पेश है हमारी इस छुट्टी की कुछ झलकियां! ये हमारी जिंदगी के कुछ सबसे खुशी वाले दिन हैं। वाकई जिंदगी ना मिलेगी दोबारा। जय हो।

फिल्म इंडस्ट्री के कुल कलाकारों के साथ भी अनुपम की अच्छी छनती है। निर्देशक-कलाकार सतीश कौशिक भी उनमें से एक थे। अब वो नहीं रहे लेकिन उनके परिवार से जुड़ाव अभी भी है। उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर दिवंगत एक्टर की बिटिया संग समय बिताते दिखते हैं।

उनकी इस फ्रेंड लिस्ट में अनिल कपूर का भी नाम है। अभिनेता ने हाल ही में अनिल कपूर को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कपूर को अपना मार्गदर्शक और भाई भी बताया था। खेर ने पोस्ट साझा कर लिखा था, मेरे प्यारे दोस्त, दार्शनिक, मार्गदर्शक, भाई और तनाव से मुक्ति दिलाने वाले कपूर साब को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! भगवान आपको दुनिया की सारी खुशियां दें। आप दीर्घायु हों और आपका जीवन खुशहाल और स्वस्थ हो।

खेर ने आगे लिखा था, आप लंबे समय से मेरे लिए सपोर्ट सिस्टम रहे हैं। मुझे हमारी प्रेरक बातचीत उतनी ही पसंद है जितनी कि हमारे गपशप के सीजन, जिस तरह से आप खुद को नया रूप देते रहते हैं, वह मुझे बहुत पसंद है! चलते रहो, चलते रहो और दौड़ते रहो! आपको प्यार। जन्मदिन मुबारक अनिल कपूर।

माइके के टिकिट कटा दी पिया : रानी चटर्जी ने मिट्टी के चूल्हे पर पकाया खाना

भोजपुरी फिल्म जगत की खूबसूरत और सफल अभिनेत्री रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर अपनी आगामी फिल्म 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट से एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह मिट्टी के चूल्हे पर खाना पकाती दिखाई दीं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग में सबसे अच्छी बात क्या है।आगामी फिल्म से जुड़ी पोस्ट हो या जिंदगी से जुड़ी कोई और अपडेट, भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने प्रशंसकों को नए-नए पोस्ट से मुखातिब कराती रहती हैं। इसका सबूत है उनका इंस्टाग्राम।

आगामी फिल्म 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट से इंस्टाग्राम पर ए क ताजा पोस्ट साझा कर रानी चटर्जी ने कैप्शन में गांव के लिए एक लाइन में ही अपने जज्बात को उतार दिया। उन्होंने लिखा, फिल्म की शूटिंग की सबसे अच्छी बात है कि इससे गांव के जीवन का बहुत अच्छा अनुभव मिलता है। 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' के सेट पर। रानी चटर्जी इंटरनेट पर छाई रहती हैं। हाल ही में उन्होंने 'माइके के टिकिट कटा दी पिया' सेट से एक पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को बताया था कि सर्दी बढ़ चुकी है। तस्वीरों में अभिनेत्री लाल रंग की साड़ी के साथ शॉल ओढ़े नजर आईं। भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने शूटिंग से इतर छत पर किए अपने वर्कआउट का वीडियो भी साझा किया था। वीडियो के साथ अभिनेत्री ने लिखा था, जब भी वक्त मिले, गांव की सुबह और छत पर धूप। शूट से पहले कुछ कैलोरी बर्न की। नोट- सिंदूर शूट के लिए लगाया है। वीडियो की शुरुआत में वह 'कॉफी' पीती दिखी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रानी चटर्जी पिछली बार शो 'बेटी हमारी अनमोल' में दिखी थीं। इसमें रानी के साथ लीड रोल में जूही असलम और प्रथम कुंवर दिखे थे।

आइटम सॉन्ग के साथ पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी निक्की तंबोली पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। वह जल्द ही फिल्म बदनाम के आइटम सॉन्ग में नजर आएंगीं। यह फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है।निक्की ने कहा, मैं बदनाम का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। यह एक ऐसा गाना है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा और मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं।निक्की हमेशा से ही कुछ नया करने की तलाश में रहती है और बदनाम बस इसी का एक और उदाहरण है।निक्की तंबोली ने गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसकों को यह गाना उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इस गाने पर काम करने में मजा आया।इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है।

बदनाम फरवरी 2025 में रिलीज होने वाली है। यह जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि अभिनीत एक रोमांटिक ड्रामा है।निक्की के करियर पर एक नजर डाले तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। 2019 में उन्होंने तेलुगू हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकाती गडिलो चिथाकोटुडु से अपने अभिनय की शुरुआत की।बाद में उन्होंने एक्शन हॉरर फिल्म कंचना 3 में दिव्या के रूप में तमिल में अपनी शुरुआत की। कंचना 3. उनकी तीसरी फिल्म तेलुगु में थिप्पारा मीसम थी। 2020 में, उन्होंने हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं।2021 में उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11 में भाग लिया। इस शो को केपटाउन में फिल्माया गया थ। ह 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा उन्हें कई म्यूजिक वीडियो सहयोग में भी देखा गया था।2022 में वह गेम शो द खतरा खतरा शो में देखी गईं, जिसे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।निक्की ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा में कॉकटेल गाने में एक विशेष भूमिका निभाई। 2024 में वह रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात अरबाज पटेल से हुई, जिन्हें स्प्लिट्सविला 15 में भी देखा गया था।उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई जब वे बिग बॉस मराठी 5 में प्रतियोगी थे। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया।

मोनालिसा के कातिलाना अवतार ने मचाया बवाल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद बोल्ड लुक्स में तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर इंटरनेट का पारा गर्म कर देती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।इन फोटोज में उनक हॉट एंड स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।मोनालिसा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की स्पैगडी और रफ लुक में डेनिम जींस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक सो गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस। ऐसे ही एक के बाद एक कर के यूजर्स कॉमेंट्स कर रहे हैं।

वार्षिक राशिफल 2025

10. मकर राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि यह वर्ष आपके लिए औसत परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने कार्यों को पूरा करने के लिए कड़े परिश्रम करने पड़ेंगे। साल की शुरुआत में गुरु मकर राशि के पंचम भाव से गोचर करेगा। मई से गुरु मकर राशि वालों के छठे भाव से गोचर करेगा। अक्टूबर से दिसंबर तक गुरु मकर राशि वालों के सप्तम भाव से गोचर करेगा। दिसम्बर से गुरु फिर से छठे भाव में गोचर करेगा। साल की शुरुआत आपके लिए शानदार रहेगी। आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। विवाहित जोड़ों के लिए यह साल बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आपको संतान पक्ष से जुड़ी कोई बहुत ही बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। साल आपको पुरानी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में अच्छा खासा मददगार बन सकता है। ऐसी समस्याएं जिन्हें आप लंबे समय से दूर नहीं कर पाए थे, उनके दूर होने के योग बनेंगे। घर परिवार में चल रही अशांति भी अब शांत हो जाएगी। यदि आप नौकरी इत्यादि में परिवर्तन करने की कोशिश करेंगे तो परिवर्तन भी संभव रहेगा। व्यापार व्यवसाय में भी परिवर्तन किया जा सकेगा। किसी नए व्यवसाय की शुरुआत भी संभव होगी। आप मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। आपके निर्णय लेने की क्षमता और मजबूत होगी। बीच-बीच में कहीं से अच्छे समाचार भी सुनने को मिल सकते हैं। इन सबके बावजूद भी मई के बाद आर्थिक और पारिवारिक मामले में जागरूक रहना समझदारी का काम होगा। क्योंकि मार्च के बाद से भले ही शनि का प्रभाव दूसरे भाव से दूर हो रहा है लेकिन मई के बाद से राहु का प्रभाव शुरू हो जाएगा। अतः समस्याएं तुलनात्मक रूप से काफी हद तक काम हो जाएगी लेकिन छोटे-मोटे व्यवधान अब भी रह सकते हैं, विशेषकर आर्थिक और पारिवारिक मामलों में। अतः इन मामलों में सचेत रहना समझदारी का काम होगा। मई मध्य से पहले का समय प्रेम प्रसंग के लिए अनुकूल रहेगा। विवाह और वैवाहिक जीवन से संबंधित मामलों के लिए भी अनुकूलता दे सकेगा लेकिन मई मध्य के बाद इन मामलों के लिए समय कम सपोर्ट कर पाएगा। विद्यार्थियों के लिए सामान्य तौर पर पूरा वर्ष ही किसी न किसी तरह से मददगार बनता रहेगा।

कैरियर – यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। अपने करियर को बेहतर बनाने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी जिसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप अपनी मेहनत और सकारात्मक रवैये से ही अपने जीवन में अच्छी तरक्की कर पाएंगे। इस साल आप कठिन से कठिन परिस्थितियों से भी उभर सकेंगे। आपको अच्छे काम का इनाम भी मिलेगा यानि आपके काम को पहचान मिलेगी। लोग आपको आपके काम से जानेंगे। कार्यस्थल पर आप अपनी एक अलग छाप बनाने में कामयाबी हासिल करोगे। साल के शुरुआती महीने आपके करियर को चमकाने का काम करेंगे। आपको एक से बढ़कर एक नए अवसर मिलेंगे जिनका आप पूरा लाभ पाने में सफल रहोगे। नौकरी से जुड़े मामलों में भी इस वर्ष आप तुलनात्मक रूप से बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। खासकर मार्च महीने के बाद नौकरी से जुड़े मामलों में ज्यादा अच्छे परिणाम मिल सकेंगे। मार्च के बाद किया गया बदलाव ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकेगा। यदि आप नौकरी में परिवर्तन करना चाह रहे हैं तो मार्च के बाद का समय ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकेगा। बृहस्पति का गोचर मई महीने के मध्य भाग तक पंचम भाव में रहेगा, यह सकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनवाएगा। फलस्वरुप आपको आपके कार्यालय में काम करने में आनंद आएगा। इसका प्रभाव आपकी नौकरी पर पड़ेगा और आपका प्रदर्शन अच्छा होने के साथ-साथ आप अपनी जॉब को इंजॉय कर सकेंगे।मकर राशिफल 2025 के अनुसारमई महीने के मध्य के बाद मेहनत अपेक्षाकृत अधिक करनी पड़ सकती है। हालांकि तब भी नौकरी में सामान्य तौर पर अनुकूलता बनी रहेगी। कोई बड़ी परेशानी के योग नहीं है लेकिन कुछ लोग प्रद्वंदी की तरह व्यवहार कर सकते हैं। दूसरे भाव पर शुरू हुआ राहु का प्रभाव भी कुछ ऐसी बातें बोलने को प्रेरित कर सकता है जिसका नकारात्मक असर आपकी नौकरी पर पड़ सकता है। अतः मई के बाद लोगों के साथ संबंधों को बेहतर करने की कोशिश तुलनात्मक रूप से अधिक मात्रा में करनी जरूरी रहेगी, तब जाकर परिणाम अच्छे मिल सकेंगे।

आर्थिक स्थिति – आर्थिक मामलों में यह वर्ष आपको एवरेज या एवरेज से कुछ बेहतर परिणाम भी दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक धन का कारक बृहस्पति लाभ भाव को देखेगा। फलस्वरुप अच्छा लाभ दिलवाने में मददगार बनेगा। वहीं मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति छठे भाव में चले जाएंगे। हालांकि बृहस्पति की यह स्थिति कमजोर कही गई है लेकिन नवम दृष्टि से धन भाव पर दृष्टि डालने के कारण संचित धन की रक्षा करने में बृहस्पति मददगार बनेंगे अथवा उस समय की कमाई के अनुरूप आप बेहतर बचत कर सकेंगे लेकिन हो सकता है की कमाई करवाने में बृहस्पति ज्यादा मददगार न रहे। यानी कि इस वर्ष धन के कारक बृहस्पति की स्थिति सामान्य तौर पर धन के मामले में अनुकूल रहने वाली है लेकिन साल की शुरुआत से लेकर मार्च तक शनि की स्थिति और बाद में राहु की स्थिति धन भाव पर अनुकूल नहीं है। अतः धन बचाने के लिए अधिक प्रयत्न करने होंगे। इन सभी स्थितियों को मिलाकर देखें तो बृहस्पति धन के मामले में सकारात्मक परिणाम देगा, जबकि शनि और राहु थोड़े से कमजोर परिणाम दे सकते हैं। ऐसे में बृहस्पति का प्रभाव विजयी रह सकता है और आप कुछ सावधानियां को रखने के पश्चात आर्थिक मामले में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। वर्ष की शुरुआत आपके लिए शुभ रहेगी। आपको अच्छी मात्रा में धन कमाने को मिलेगा। आपको अपने करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते मिलेंगे। आपके प्रयास आपको सफलता दिलाने में मदद करेंगे। आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी और आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। इस साल आप कुछ न कुछ करके अच्छी मात्रा में धन कमा ही लोगे। बिजनेस से जुड़े लोगों को नए कार्यों में हाथ आजमाने का मौका मिलेगा। आप पॉज़िटिविटी के साथ अपने जीवन की हर समस्या, हर मुश्किल को आसानी से काबू कर लेंगे। आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी। साल के मध्य भाग में आकर आपको कुछ आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपका धन बेवजह खर्चों में जाया होगा। आपको सुझाव है की जहां जरूरत हो वहीं पैसा लगाएं नहीं तो आपको आर्थिक तंगी का अनुभव हो सकता है।

परिवार – साल में आप पारिवारिक मामलों में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। भले ही साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक शनि का गोचर दूसरे भाव में रहे लेकिन बाद के समय में शनि आपको काफी राहत देने का काम कर सकते हैं क्योंकि दूसरे भाव के स्वामी शनि साल की अधिकांश समय आपके लिए अनुकूल रहेंगे। अतः पारिवारिक मामलों में अनुकूलता का ग्राफ बढ़ेगा। हालांकि मई के बाद से राहु का गोचर दूसरे भाव में होने के कारण बीच-बीच में कुछ गलतफहमियां देखने को मिल सकती हैं। आपस में एक दूसरे को समझ पाने में असमर्थ होने के कारण कुछ मनमुटाव भी देखने को मिल सकता है लेकिन कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी बल्कि पुरानी और जटिल समस्याएं धीरे-धीरे करके दूर होने लग जाएगी। वहीं गृहस्थ संबंधी मामलों की बात की जाए तो इस मामले में भी आपको इस वर्ष तुलनात्मक रूप से राहत मिलती हुई प्रतीत हो रही है। शनि की तीसरी दृष्टि का प्रभाव मार्च के बाद से आपके चतुर्थ भाव से समाप्त हो जाएगा जो गृहस्थ संबंधी मामलों में अनुकूलता देने वाली स्थिति कही जाएगी। अर्थात घर गृहस्थी को लेकर पिछले दिनों से आप जिस परेशानी से घिरे हुए थे वह परेशानी अथवा वो परेशानियां आप दूर होगी और आप गृहस्थ जीवन का बेहतर आनंद इस वर्ष ले सकेंगे। इस वर्ष आपका दामपत्य जीवन बहुत सुखमय रहेगा लेकिन फरवरी सर अप्रैल तक का समय जीवनसाथी को शारीरिक कष्ट दे सकता है। विवाह योग्य जातकों का विवाह भी इस वर्ष होगा। साल का दूसरा हिस्सा विशेष कर मई महीने के मध्य भाग के बाद का समय तुलनात्मक रूप से कमजोर रह सकता है। वहीं वैवाहिक जीवन की बात की जाय तो इस मामले में शनि का गोचर अनुकूल परिणाम देना चाह रहा है जबकि बृहस्पति का गोचर साल के पहले हिस्से में अनुकूल परिणाम देना चाह रहा है। वहीं बाद के समय में बृहस्पति प्रत्यक्ष रूप से कोई मदद नहीं कर पाएगा। इस तरह से हम कह सकते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा लेकिन दांपत्य संबंधी मामलों में जागरूकता की भी जरूर रहने वाली है। अर्थात असामंजस्य से बचने की प्रैक्टिकल कोशिश भी जरूरी रहेगी। ऐसा करने की स्थिति में आप दांपत्य जीवन का बेहतर आनंद ले सकेंगे।

प्रेम – रोमांस – यह साल बहुत ही शानदार साबित होगा। आपके निजी जीवन में खुशियों की बरसात होगी। वैवाहिक जीवन के लिए यह साल बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आपको जीवन के हर क्षेत्र में अपने जीवनसाथी का साथ मिलेगा। पिछले साल आपके बीच जो कम्यूनिकेशन गैप चल रहा था वो इस साल खत्म हो जाएगा। आप एक दूसरे से खुल कर अपने दिल की बात करोगे और एक दूसरे को समझने का प्रयास करोगे। आपके संबंधों में मधुरता आएगी। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप कई सारे सामाजिक कार्यों का हिस्सा बनेंगे। वहीं बात करें लव-बर्ड्स की तो आपके लिए साल की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। आपकी ज़िंदगी में सच्चे प्यार की तलाश इस साल खत्म होगी। आपको अपने सपनों का हमसफ़र इस साल मिल सकता है। आप इश्क की खुमारी में डूबे-डूबे से रहोगे। आपको ज़िंदगी खूबसूरत लगने लगेगी और आप इसके हर पल को खुल के जीने लगोगे। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर छठे भाव में हो जाएगा और पंचम भाव पर शनि की दृष्टि लगातार बनी रहेगी जो एक दूसरे के मन में बेरुखी के भाव पैदा कर सकती है। आप छोटी-छोटी बातों को लेकर जिद करने लग सकते हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव आपकी लव लाइफ पर पड़ सकता है। ऐसे में आपको इस तरह के स्वभाव से बचने की जरूरत रहेगी। यदि आप एक दूसरे के प्रति अच्छे भाव रखेंगे, छोटी-छोटी बातों का बतंगड़ नहीं बनाएंगे तो पंचम भाव के स्वामी शुक्र का गोचर साल के अधिकांश समय अनुकूल परिणाम देने का संकेत कर रहा है। ऐसी स्थिति में कर्म और भाग्य के संगम से आप अपनी लव लाइफ को एंजॉय कर सकते हैं।

शिक्षा – साल सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक उच्च शिक्षा का कारक बृहस्पति पंचम भाव में रहकर भाग्य लाभ और प्रथम भाव को देखेंगे। जो न केवल उच्च शिक्षा बल्कि प्राथमिक शिक्षा में भी सहायक बनेंगे बल्कि धर्म-कर्म की शिक्षा लेने वाले अर्थात वेद और शास्त्र की शिक्षा लेने वाले लोगों के लिए भी यह गोचर बहुत अच्छे परिणाम देना चाहेगा। आपकी मेहनत की अनुरूप आपको अच्छे लाभ मिलेंगे। आपकी बुद्धि और विवेक दोनों पूरी तरह से जागृत रहेंगे। फलस्वरुप आप अपनी विषय वस्तु में काफी अच्छा कर सकेंगे। घर से दूर रह विद्यार्थी भी अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का गोचर छठे भाव में हो जाएगा। छठे भाव में बृहस्पति के गोचर को सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम देने वाला नहीं कहा गया है। इसके बावजूद भी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। विदेश में अथवा घर से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी भी अच्छा कर सकेंगे। बुध का गोचर साल के अधिकांश समय आपके फेवर में होने के कारण भी आप अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। इस तरह से हम कह सकते हैं कि यदि आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहा और अपनी विषय वस्तु पर फोकस करने का प्रयास भी किया तो सामान्य तौर पर इस वर्ष आप अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

स्वास्थ्य – इस साल आपको सेहत के मिले-जुले परिणाम देखने को मिलेंगे। साल की शुरुआत आपकी सेहत को लेकर एकदम शानदार रहेगी। आप खुद को एकदम एक्टिव महसूस करोगे। इस साल आप अपनी सेहत को सजग बनाने के हर प्रयास करेंगे। आप अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से संतुष्ट रहेंगे। इस साल अच्छी आदतों का पालन करें जो आगे चलकर आपको हेल्दी रहने में मददगार साबित हो। यह वर्ष आपके लिए भाग दौड़ भरा रहेगा। आपको काम के साथ-साथ अपने निजी रिश्तों पर भी ध्यान देना होगा। अगर आपके निजी रिश्ते ठीक नहीं रहेंगे तो इनका सीधा असर आपकी सेहत पर भी देखने को मिल सकता है। आपको मानसिक तनाव हो सकता है या आपका माइग्रेन, सिरदर्द, बीपी आदि की समस्या हो सकती है। इसलिए आपको अपने दिमाग पर अत्यधिक लोड नहीं देना है और खुद को टेंशन फ्री रखना है। टेंशन करने से आपकी सेहत पर इसका नेगेटिव असर देखने को मिलेगा। आपको अपने गुस्से पर भी कंट्रोल करना सीखना होगा नहीं तो आपको स्ट्रेस हो सकता है। योग, मेडिटेशन आपको तनाव से लड़ने में मदद करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर सब कुछ ठीक रहे यह जरूरी नहीं है लेकिन पिछले साल या पिछले सालों की तुलना में यह वर्ष काफी अच्छा रह सकता है। विशेषकर मार्च के बाद जब शनि ग्रह का प्रभाव आपके दूसरे भाव से दूर हो जाएगा। इसके बाद से आपका प्रथम भाव और मजबूती के साथ अनुकूल स्थिति में रहेगा। यही कारण है कि आपका स्वास्थ्य बेहतर होगा। हालांकि खानपान पर संयम बनाए रखने की आवश्यकता इस वर्ष भी रहेगी, क्योंकि मई के बाद से आपके दूसरे भाव पर राहु का प्रभाव शुरू हो जाएगा जो आपके खान-पान को असंयमित कर सकता है। बृहस्पति का गोचर मई महीने के मध्य भाग तक स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छे परिणाम देना चाह रहा है। बाद के परिणाम तुलनात्मक रूप से कमजोर रह सकते हैं। इस तरह से हम पाते हैं कि इस वर्ष स्वास्थ्य सामान्य तौर पर अच्छा रहेगा लेकिन बीच-बीच में छोटी-मोटी विसंगतियां रह सकती हैं, जिन्हें आप उचित खान-पान और उचित रहन-सहन के माध्यम से नियंत्रित कर सकेंगे। फिर भी मुख, पेट, गुप्तांगों और सीने के आसपास से संबंधित तकलीफ है जिन्हें पहले से हैं उन्हें इस वर्ष भी सावधानी पूर्वक निर्वाह करने की आवश्यकता रहेगी।

ज्योतिष उपाय – शनिवार के दिन जरूरतमंद लोगों को कंबल दान कर सकते हैं। शनि चालीसा का पाठ करें। गौमाता को हरा चारा और थोड़ा सा गुड़ खिलाएं तथा चीटियों को आटा डालें। उड़द की दाल के पकोड़े सरसों के तेल में तल पर गरीबों को खिलाएं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रविवार के दिन तुलसी से जुड़ी न करें ये गलतियां, वरना कंगाली से होगा सामना

हिंदू धर्म में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। जगत के पालनहार भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है। रोजाना विधिपूर्वक तुलसी पूजा करने से जातक पर हमेशा धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

माना जाता है कि घर में तुलसी का पौधा सही दिशा में लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और तुलसी पूजा के नियम का पालन जरूर करना चाहिए। माना जाता है कि नियम का पालन न करने से जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

तुलसी पूजा के नियम

रविवार और एकादशी के दिन तुलसी के पत्ते भूलकर भी नहीं तोड़ने चाहिए। माना जाता है कि इस गलती को करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

सूर्यास्त होने के बाद तुलसी के पौधे को नहीं छूना चाहिए। इससे दोष लगता है।

तुलसी के पौधे के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि मां लक्ष्मी का वास साफ-सफाई वाली जगह पर होता है।

पूजा के दौरान तुलसी के पौधे लाल कपड़ा चढ़ाना शुभ माना जाता है। इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

पूजा के दौरान तुलसी को सिंदूर लगाएं और फूल अर्पित करें।

अंत में मां तुलसी को विशेष चीजों का भोग लगाएं।

तुलसी के उपाय

अगर आप वैवाहिक जीवन खुशहाल चाहते हैं, तो मां तुलसी को सुहाग की सामग्री अर्पित करें। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए कामना करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन हमेशा खुशहाल बना रहता है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। साथ ही मां तुलसी की आरती करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख दूर होते है।

तुलसी माता का ध्यान मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

तुलसी नामाष्टक मंत्र

वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी।
पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।
एतभामांष्टक चैव स्त्रोतं नामर्थं संयुतम।
य: पठेत तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलमेता।।

फुलेरा दूज 1 मार्च को मनाई जाएगी

हर साल फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर फुलेरा दूज का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व भगवान कृष्ण और राधा रानी को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि फुलेरा दूज के दिन से भगवान श्रीकृष्ण ने फूलों की होली खेलने की शुरुआत की थी। तभी से हर साल मथुरा समेत पूरे ब्रज में फुलेरा दूज के पर्व को मनाने की परंपरा जारी है। इस शुभ अवसर पर श्री राधा कृष्ण की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने का विधान है, जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में खुशियों का आगमन होता है। ऐसे में आइए इस आपको बताते हैं कि फुलेरा दूज के शुभ मुहूर्त के बारे में।

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 01 मार्च को रात्रि 03 बजकर 16 मिनट से हो रही है। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 02 मार्च को रात्रि 12 बजकर 09 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए फुलेरा दूज 01 मार्च को मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त – अमृत काल -सुबह 04:40 मिनट से 06:06 मिनट तक
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05:07 मिनट से 05:56 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02:29 मिनट से 03:16 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06:18 मिनट से 06:43 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12:08 मि. से 12:58 मिनट तक

फुलेरा दूज का महत्व –ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, फुलेरा दूज का दिन सभी तरह के दोषों से मुक्त होता है। इसी वजह इस दिन शुभ और मांगलिक काम किए जाते हैं। इसलिए इसे अभुज मुहूर्त भी कहा जाता है। इस शुभ अवसर पर राधा कृष्ण के मंदिरों को सुंदर तरीके से सजाया जाता है। इस दौरान बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी पर फूल अर्पित किए जाते हैं। ऐसा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

पूजा के दौरान करें इस मंत्र का जप

1. ॐ नमो भगवते श्री गोविन्दाय
परेशानियी दूर करने वाला मंत्र
हे कृष्ण द्वारकावासिन् क्वासि यादवनन्दन।
आपद्भिः परिभूतां मां त्रायस्वाशु जनार्दन।।

मासिक शिवरात्रि के दिन करें राशि अनुसार महादेव का अभिषेक, रिश्ते होंगे मजबूत

हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार, वर्ष 2024 की आ-खिरी मासिक शिवरात्रि 29 दिसंबर को है। सनातन शास्त्रों के अनुसार, मासिक शिवरात्रि के दिन भगवान शिव शिवलिंग रूप में प्रकट हुए थे और इस तिथि पर ही भगवान शिव एवं मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसी वजह से हर महीने में मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है।

धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को सच्चे मन से करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही विवाह में आ रही बाधा दूर होती है। अगर आप भगवान शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मासिक शिवरात्रि के दिन राशि अनुसार भगवान शिव का अभिषेक करें।

राशि अनुसार अभिषेक

मेष राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में लाल चंदन मिलाकर शिव जी का अभिषेक करें। इससे शुभ फल की प्राप्ति होगी।

वृषभ राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन कच्चे दूध से महादेव का अभिषेक करें। इससे चंद्र दोष दूर होगा।

मिथुन राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में पान के पत्ते डालकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे महादेव प्रसन्न होंगे।

कर्क राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गाय के दूध से निर्मित शुद्ध घी से महादेव का अभिषेक करें। इससे कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन जल में लाल फूल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे पूजा सफल होगी।

कन्या राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में दूर्वा मिलाकर भगवान शंकर का अभिषेक करें। इससे मनचाहा वर मिलेगा।

तुला राशि के जातका मासिक शिवरात्रि के दिन दही से भोलेनाथ का अभिषेक करें। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

वृश्चिक राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में सुगंध मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे सभी मुरादें पूरी होंगी।

धनु राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में सफेद फूल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे शिव प्रसन्न होंगे।

मकर राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे पितृ दोष दूर होगा।

कुंभ राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन नारियल जल से कैलाशपति का अभिषेक करें। इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होगा।

मीन राशि के जातक मासिक शिवरात्रि के दिन गन्ने के रस से शिव जी का अभिषेक करें। इससे शुभ फल की प्राप्ति होगी।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

क्या आप जानते हैं?

- कागज का आविष्कार चीन के ली यैंग में रहने वाले साई लुन ने 105 ई. में पुराने काटे गए मछली पकड़ने वाले जालों से किया।
- मिस्र की नील नदी के किनारे बहुतायत में उगने वाले 'पपायरस' नामक पौधे के नाम पर 'पेपर' शब्द बना।
- 1690 में जर्मनी स्थित पेनसिल्वेनिया शहर में विलियम रिटेनहाऊस ने पहली पेपर मिल का निर्माण किया।
- पेड़ों की लकड़ी के गुद्दे से निकलने वाले सैलुलोस फाइबर से कागज बनाया जाता है।
- 793 ईस्वी में अन्य देशों को कागजा के बारे में पता चला।

मैथ्स की जानकार

आमतौर पर मधुमक्खियों को मेहनती होने के कारण जाना जाता है, लेकिन ये गणित में भी होशियार होती हैं। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पता लगाया है कि मधुमक्खियां एक ही नजर में नंबरों को पहचान सकती हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि मधुमक्खियां दो या तीन बिंदुओं के नमूने को आसानी से पहचान लेती हैं। साथ ही अगर उन्हें थोड़ी स्कूली शिक्षा भी दी जाए, तो तीन और चार की भी पहचान कर सकती हैं। अब वैज्ञानिक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मधुमक्खियां आधारभूत गणना कर सकती हैं। मधुमक्खियों के विभिन्न अंकों को पहचानने की क्षमता उन्हें परागों को ढूंढने में मददगार साबित हो सकती है, चाहे वे अपने छत्ते से कितनी ही दूर क्यों न हों। कबूतर, डॉल्फिन और बंदरों में भी नंबरों को पहचानने की क्षमता होती है।

पैशन का पैराशूट

प्यारे बच्चो, आसमान में उड़ने की चाह सबके मन में होती है। आइए आज आपको पैराशूट और इससे जुड़े तथ्यों के बारे में बताएं...

आसमान में उड़ना अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। सदियों से मनुष्य की इच्छा आसमान में उड़ने की रही है। इसीलिए वह उड़ने की कई असफल कोशिशों के बाद आखिर उड़ने में सफल हो गया। उसने जहाज, रॉकेट आदि कई तरह के उपकरणों को बनाया। मगर खुले रूप में आसमान में उड़ने की ख्वाहिश वैसी की वैसी ही रही। आज हम आपको मानव की जिस खोज के बारे में बता रहे हैं, वह ऐसी है, जो शायद इसी ख्वाहिश को पूरा करती है। जी हां यह खोज है- पैराशूट। इसके माध्यम से खुले रूप में आसमान में उड़ने का आनंद लिया जाता है। पैराशूट के साथ उड़ने का अनुभव जहाज में उड़ने के अनुभव से बिल्कुल अलग तरह का है।

आज इसके बिना वायुसेना का कोई भी पायलट जहाज में नहीं बैठता, पर आपको बता दें कि यात्री विमानों में पायलटों के लिए के लिए पैराशूट का उपयोग करना मना है।

मगर पैराशूट की खोज इतनी आसानी से नहीं हुई। इसके लिए लोगों को बहुत मेहनत करनी पड़ी। यहां तक कि कुछ लोगों को तो अपनी जान तक से हाथ धोना पड़ा। तब कहीं जाकर पैराशूट का वर्तमान स्वरूप हमारे सामने आया। मगर इस खोज पर काम करने वाले लोगों में इतना पैशन था कि वह अपने काम से पीछे नहीं हटे।

कहते हैं सबसे पहला पैराशूट इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ल्युनार्दो दसी ने आज से लगभग 500 साल पहले बनाया था, बहुत से लोगों ने इस में सुधार किए और कई नए डिजाइन के पैराशूट बनाए। 1783 में एक फ्रांसीस डॉक्टर स्वास्तिन लनारमां ने लकडी के ढांचे पर कपडा डालकर पैराशूट बनाया और इसके द्वारा एक ऊंची ईमारत से छलांग लगाई, जिसको देखकर लोग हैरान रह गए।

सन 1797 में एक अन्य फ्रांसीसी आंद्रे गार्निरन ने हवा में उड़ते हुए गुबारे पर से पैराशूट द्वारा छलांग लगाने का प्रदर्शन किया। यह कारनामा पैरिस के हजारों लोगो ने देखा। जब गार्निरन का गुब्बारा 3000 फुट की ऊंचाई पर पहुंचा, तो वह रस्सी काट दी गई, जिससे पैराशूट गुब्बारे के साथ बंधा हुआ था। रस्सी के कटते ही पैराशूट तेजी से धरती की ओर आया यह भयानक दृश्य देखकर बहुत से कमजोर लोग के स्त्री पुरुष बेहोश हो गए। लोगों का विचार था कि गार्निरन का पैराशूट नीचे गिर जाएगा और उसकी हड्डीपसली एक हो जाएगी, पर जैसे ही पैराशूट में हवा भरी गई, वह धीरे-धीरे धीमी गति से नीचे उतर आया। 24 जुलाई 1837 को रॉबर्ट काकिंग ने लन्दन के बॉक्स हाल गार्डन में पैराशूट की उड़ान का प्रदर्शन किया। उसने पैराशूट को एक गुबारे के नीचे बांधा और गुबारे को गैस द्वारा हवा में उड़ा दिया। वह स्वयं पैराशूट की टोकरी में खडा था। लोग खुशी से तालियां बजा रहे थे। पांच हजार फुट की ऊंचाई पर पहुंचकर उसने पैराशूट को गुबारे से अलग कर दिया। दुर्भाग्य से पैराशूट का लकड़ी का ढांचा हवा के दबाब से टूट गया और राबर्ट धरती पर गिरकर मर गया। पर मनुष्य हार कहां मनाता है, एक आविष्कार फेल हो जाए, तो दूसरे की खोज में लगा जाता है। वह अपनी हर असफलता से सफलता की सीढ़ी तलाश करता है। इस दुर्घटना के 15 महीने बाद ही एक अंग्रेज हेम्प्टन ने एक हल्का-फुल्का पैराशूट बनाया। वह इससे हवा में उड़ा और फिर एक उड़ते गुबारे से सफलता पूर्वक नीचे उतर आया।

लकड़ी के ढांचे पर कपड़ा डालकर बनाए जाते थे। फान टासल ने सूती कपड़े की एक छतरी बनाई। उसका यह पैराशूट बहुत लोकप्रिय हुआ। कुछ समय के बाद सूती कपड़े की बजाय रेशमी कपड़े का इस्तेमाल किया जाने लगा, जिससे यह अधिक मजबूत और अधिक हल्का हो गया। अमरीका का एक सैनिक कैप्टन एलबर्ट बेरी पहला व्यक्ति था, जिसने पैराशूट के द्वारा विमान से छलांग लगाई। उसका विमान 55 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ रहा था। यह घटना 1912 की है। उन दिनों जहाज की नई-नई खोज हुई थी और उसकी गति भी बहुत धीमी हुआ करती थी।

पैराशूट के द्वारा अभी तक धरती पर उतरना एक खेल ही समझ जाता था। लोगों के दिमाग में अब तक यह विचार नहीं आया था कि इससे पायलटों को भी मुसीबत के वक्त बचाया जा सकता है। सन 1914 में पहला महायुद्ध शुरू हुआ, तो उसमें बमवर्षा के लिए जहाजों का भी इस्तेमाल किया गया। इसके 21 साल बाद जब दूसरा महायुद्ध हुआ, तो इसमें जहाज चालकों ने पैराशूट का उपयोग किया और इस प्रकार हजारों पायलट मौत के मुंह में जाने से बच गए। अब पैराशूट नायलोन के बनाए जाते हैं। यह बहुत हलके-फुल्के और मजबूत होते हैं। अब इनसे कई तरह के काम लिए जाते हैं। युद्ध आदि के दौरान पैराशूट द्वारा शत्रु के प्रदेश में सेना उतारी जाती है, इसको छाता सेना कहते हैं। इसके अलावा जरूरत के समय गोला-बारूद और खाने-पीने का सामान भी पैराशूट से सेना के मोर्चों में गिराया जाता है। तेज गति से चलने वाले जहाजों को हवाई अड्डे में रोकने के लिए भी पैराशूट का उपयोग किया जाता है। जब इस प्रकार का कोई जहाज धरती पर उतरता है, तो पीछे का पैराशूट खुल जाता है और उसमें हवा भर जाती है। जिससे विमान की गति काम हो जाती है। इस तरह उसको ब्रेक लगाकर आसानी से रोका जा सकता है। अंतरिक्ष यात्री जिस कैप्सूल में बैठकर धरती पर उतारते हैं, उसमें भी पैराशूट लगा होता है। यदि यह न हो, तो कैप्सूल धरती पर गिरकर टुकड़े-टुकड़े ही हो जाए।

>> बाल कविता

चूहा और बिल्ली

इक चूहे नें बिल्ली पाली।
आधी पीली आधी काली।

पीती दूध और खाए मलाई
अच्छी लगती उसे मिठाई।

मैगी नूडल्स पिज्जा बर्गर।
बातें करती वो फर्र-फ़र्र।

करती वो दिन भर आराम।
नहीं आती वो किसी के काम।

चूहे नें कुछ दिन की सेवा।
दिया मलाई फल और मेवा।

खाकर बिल्ली हो गई मोटी।
हुई चूहे पर नियत खोटी।

पलक झपकते पकड़ के खाया
अपना ही तो दांव गंवाया।

अब न मिलती रोटी सूखी।
दिन भर रहती बिल्ली भूखी।

सूख के हो गई दुबली-पतली।
दिख गया अपना चेहरा असली।

अपनी करनी का फल पाया
बिल्ली नें सब-कुछ गंवाया।

>> जिज्ञासा

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें—

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- (शुक्र ग्रह)- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आ सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- (मंगल ग्रह) - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का च कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफ़ान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

थायराइड की रोकथाम

वे दिन गए जब प्रकृति और प्रकृति गौण उत्पाद अनमोल संपत्ति होते थे, जब किसान गोवर और प्राकृतिक उर्वरकों का प्रयोग करते थे, जब बर्तन मिट्टी के होते थे, जब भोजन मलमल में लपेटा जाता था, जब सूरज की रोशनी और प्राकृतिक रंग द्वारा ब्लीच और रंगाई की जाती थी, जब संचार का मतलब था व्यक्तिगत बातचीत, जब मिट्टी और चिकनी मिट्टी से सफाई होती थी, और गुलाब और मोगरा ही इतर थे।

यह कृत्रिम काल है, रेयान और एक्रिलिक, कीटनाशकों और प्लास्टिक, रसायन और रंजक, कंप्यूटर और मोबाइल का युग। संक्षेप में, यह एंडोक्राइन असंतुलन का युग है।आपने शायद ही कभी थायराइड, माइग्रेन, दमा आदि बीमारियों और शरीर में शैंपू, शॉवर जैल, क्रीम-लोशन आदि रासायनिको के सेवन का संयोग बनाया होगा। इसलिए आप निरंतर इन पदार्थो के प्रयोग से अपने शरीर को विकृति की ओर ले जा रहे है।

थियो कबोर्न, पीएचडी, पर्यावरणीय स्वास्थ्य विश्लेषक (एंडोक्राइन विघटन एक्सचेंज, कोलोराडो) बताते हैं कि कैसे उपर्युक्त स्रोतों से रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर हमारे हार्मोन के साथ हस्तक्षेप करते है। यह हार्मोन शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों को नियंत्रित करते है जैसे विकास, तनाव, यौन विकास, चयापचय, बुद्धि आदि।

थायराइड का रोग, अंत: स्रावी प्रणाली का एक हिस्सा है, यौगिक स्तर पर आकाश तत्व के असंतुलन के रूप में देखा जाता है। शारीरिक स्तर पर, यह हाइपो-थयरोंडिस्म या हाइपर-थयरोंडिस्म के रूप मे शरीर की चयापचय की प्रक्रिया को असंतुलित करता है। वजन में अचानक परिवर्तन, हल्के बाल, सुस्ती या घबराहट, कर्कश आवाज, त्वचा

परिवर्तन, असामान्य मासिक धर्म प्रवाह, आदि इसके कुछ लक्षण हैं।

थायराइड की जड़ पर अक्सर भावनात्मक अशांति, अतिक्रियशीलता और रसयनिको का सेवन होते हैं, जो प्राणमय कोष में प्राणों के मुक्त प्रवाह में अवरोध उत्पन्न करते है। थायराइड का सम्बन्ध विशुद्धि चक्र में खेद से है। सनातन क्रिया आधुनिक मनुष्य के लिए एक आरोग्यजनक अभ्यास है जो भावनात्मक और शारीरिक तनाव की नित्य चुनौतियों से निपटने में सहायक है, इसमें विशुद्धि को सशक्त करने की कुछ क्रियाओं का उल्लेख है।

1. हलासन : पीठ के बल लेट जाएं। साँस लेते हुए धीरे-धीरे दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और दोनों पैरों को सिर के पीछे लगाने की कोशिश करें। सहारे के लिए हथेलियों को पीठ के निचले हिस्से में या हाथों से पैर की उंगलियों को छुआ जा सकता है ।

2. कंधारासन : पीठ के बल लेट जाएं, घुटनों को मोड़कर तलवों को कूल्हे के करीब ज़मीन पर टिकाएं। हाथों से एड़ियों को पकडे। जमीन पर मजबूती से कंधे और सिर को जमाते हुए कूल्हों और पीठ को उठाये जब तक की पीठ पूरी तरह से धनुषाकार ले ले। फिर अपनी ठोड़ी को सीने से स्पर्श करें ।

जो लोग पेट के रोगों और रीढ़ की हड्डी की परेशानियों से ग्रस्त हैं, उनके लिए यह आसन उपयुक्त नहीं है।

आयुर्वेद में थायराइड ग्रंथि की सक्रियता के लिए प्रतिदिन वर्जिन नारियल तेल के 3 से 4 बड़े चम्मच का सेवन नियत है।

–अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

हम बताएं, आप बनाएं

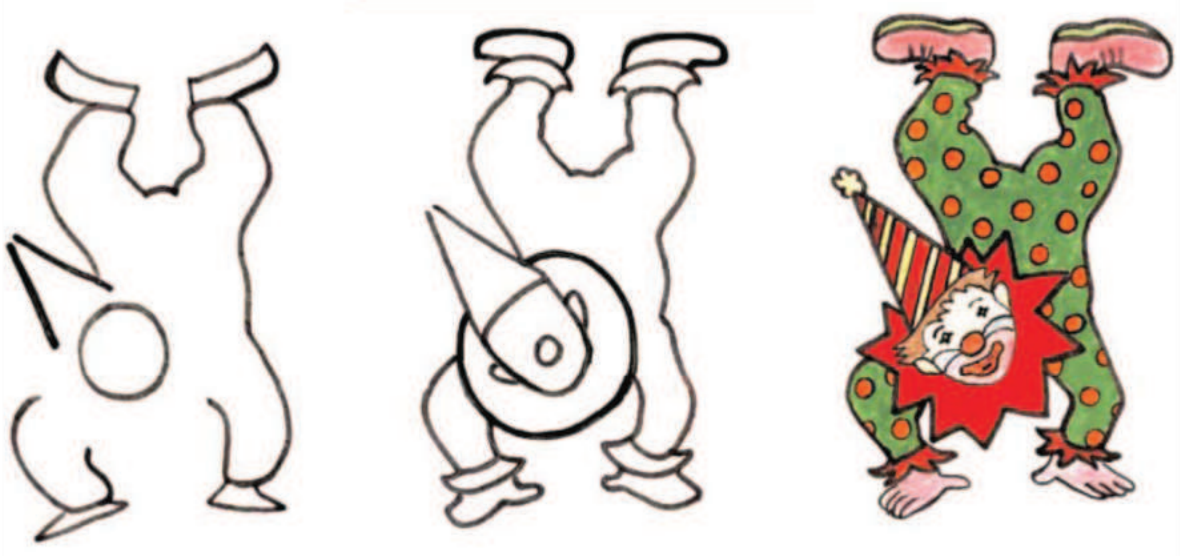

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय राईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 29 दिसंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 04:03 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 11:22 तक
योग : गण्ड रात्रि 09:40 तक
करण : विष्टि दोपहर 03:53 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 11:22 तक
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है , गण्डमूल चालू है , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा सायं 03:52 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

गहलोत राज में बने 9 जिले और 3 संभाग खत्म सीईटी स्कोर अब 3 साल तक मान्य

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार द्वारा गहलोत शासन में बनाए गए 9 जिलों और 3 संभागों को समाप्त करने का निर्णय प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक व्यवहारिक और सुगठित बनाने की दिशा में एक ठोस कदम के रूप में देखा जा सकता है। यह निर्णय वित्तीय संसाधनों के उचित उपयोग और जनसंख्या के संतुलन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

नए जिलों और संभागों के गठन में कई व्यवहारिक समस्याएं थीं, जैसे कि पर्याप्त तहसीलें न होना, पद सृजन और कार्यालयों की व्यवस्था की कमी। समीक्षा समिति ने इन जिलों की उपयोगिता को लेकर स्पष्ट निष्कर्ष निकाला, जिससे यह निर्णय लिया गया।

समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) के स्कोर को तीन साल तक मान्य रखने का फैसला भी सराहनीय है। यह छात्रों को राहत देगा और प्रशासनिक परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए अधिक अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थियों को जोड़ने का अभियान समाज के वंचित वर्गों के लिए सकारात्मक कदम है। गहलोत शासन के दौरान नए जिलों और संभागों के गठन को लेकर उठाए गए कदमों की आलोचना भी स्वाभाविक है। इन इकाइयों को बिना समुचित योजना और संसाधनों के गठन करना प्रशासनिक अक्षमता को दर्शाता है। समीक्षा समिति के निष्कर्ष बताते हैं कि नए जिलों की घोषणा राजनीतिक लाभ के लिए की गई थी, न कि जनता के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर।

भजनलाल सरकार द्वारा इन जिलों को समाप्त करना उचित हो सकता है, लेकिन इससे उन क्षेत्रों में जनता के बीच असंतोष भी उत्पन्न हो सकता है जो नए जिलों के गठन से लाभान्वित होने की उम्मीद कर रहे थे। यह निर्णय, हालांकि तर्कसंगत है, इसे लागू करने की प्रक्रिया और समय सीमा को लेकर विवाद उत्पन्न कर सकता है।

जनगणना रजिस्ट्रार जनरल द्वारा 1 जनवरी से सीमाओं को फ्रिज करने के कारण सरकार पर 31 दिसंबर तक निर्णय लेने का दबाव बना, लेकिन यह एक अल्पकालिक समाधान की तरह प्रतीत होता है। इससे प्रशासनिक प्रक्रिया में तेजी लाई गई, परंतु दीर्घकालिक योजना का अभाव स्पष्ट है।

इस निर्णय से यह स्पष्ट होता है कि प्रशासनिक इकाइयों के गठन में गहन योजना, उचित संसाधनों का प्रबंधन और जनता की जरूरतों का विश्लेषण अत्यंत आवश्यक है।

भजनलाल सरकार का यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, लेकिन इसे लागू करने के दौरान जनता की भावनाओं और क्षेत्रीय असंतोष को भी संतुलित करने की आवश्यकता होगी।

ये जिले रहेंगे : बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना–कुचामन, कोटपूतली –बहरोड, खैरथल–तिजारा, फलौदी और सलूंबर।

ये जिले निरस्त : दूदू,केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़, सांचौर।

ये संभाग खत्म् : सीकर ,पाली और बांसवाड़ा संभाग को खत्म किया गया।

9 जिलों और 3 संभाग निरस्त करने का भजनलाल सरकार का निर्णय राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण : अशोक गहलोत

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार की तरफ से 9 जिलों और 3 संभाग को निरस्त करने के पर पूर्व सीएम सीएम अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया सामने आ आई है । गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा बनाए गए नए जिलों में से 9 जिलों को निरस्त करने का भाजपा सरकार का निर्णय अविवेकशीलता एवं केवल राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के दौरान जिलों का पुनर्गठन करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में 21 मार्च 2022 को समिति बनाई गई थी जिसको दर्जनों जिलों के प्रतिवेदन प्राप्त हुए। इन्हीं प्रतिवेदनों का परीक्षण कर समिति ने अपनी रिपोर्ट दी जिसके आधार पर नए जिले बनाने का निर्णय किया गया।

मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य बन गया परन्तु प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन उस अनुपात में नहीं हुआ था। राजस्थान से छोटा होने के बाद भी मध्य प्रदेश में 53 जिले हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि नए जिलों के गठन से पूर्व राजस्थान में हर जिले की औसत आबाादी 35.42 लाख व क्षेत्रफल 12,147 वर्ग किलोमीटर था (हालांकि त्रिपुरा राज्य का क्षेत्रफल 10,492 वर्ग किलोमीटर, गोवा राज्य का क्षेत्रफल 3,702 वर्ग किलोमीटर, दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश का क्षेत्रफल 1,484 वर्ग किलोमीटर है) जबकि नए जिले बनने के बाद जिलों की औसत आबादी 15.35 लाख व क्षेत्रफल 5268 वर्ग किलोमीटर हो गया था।जिले की आबादी व क्षेत्र कम होने से शासन–प्रशासन की पहुंच बेहतर होती है एवं सुविधाओं व योजनाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित हो पाती है। छोटी प्रशासनिक इकाई होने पर जनता की प्रतिवेदनाओं का निस्तारण भी शीघ्रता से होता है। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जिन जिलों को छोटा होने का तर्क देकर रद्द किया है वो भी अनुचित है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने ली कोटा संभाग के विधायकों की बैठक

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास और प्रदेशवासियों का कल्याण ही राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस ध्येय की पूर्ति में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के विधायक की अहम भूमिका है इसलिए एक जनप्रतिनिधि के रूप में विधायकों को समर्पण भाव के साथ जनहित के कार्यों के लिए तत्पर रहना चाहिए।

शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर कोटा संभाग के विधायकों के साथ पिछले बजट की घोषणाओं के क्रियान्वयन और आगामी बजट की तैयारियों से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक विधायक को उसके विधानसभा क्षेत्र की जनता बहुत आकांक्षाओं और उम्मीदों के साथ चुनकर भेजती है, ऐसे में जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता के भरोसे पर खरा उतरे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले बजट में राज्य के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को ढेरों सौगातें दी हैं और यह आवश्यक है कि आगामी बजट से पूर्व पिछले बजट में की गई घोषणाओं का धरातल पर उतरना सुनिश्चित हो। शर्मा ने कहा कि विधायकगण अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विधायकों के साथ समन्वय बनाकर आधारभूत विकास के कार्यों में वित्तीय स्वीकृति से लेकर जमीन आवंटन, डीपीआर तैयार होने और निर्माण कार्य प्रारंभ होने तक प्रत्येक चरण पर समयबद्ध रूप से कार्यों की क्रियान्विति सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दूरगामी सोच के साथ पिछला बजट प्रस्तुत किया था, जिसकी हर तरफ सराहना हुई। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को भी राज्य की जनता के लिए सार्थक और समावेशी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने विधायकों से आग्रह किया कि वे अपने–अपने विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों की प्राथमिकता के आधार पर सूची बनाकर भेजें, ताकि उन कार्यों को आगामी बजट में शामिल किया जा सके।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, संदीप शर्मा, कालूराम, कंवरलाल, राधेश्याम बैरवा, ललित मीणा, कल्पना देवी, गोविंद प्रसाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता : देवनानी

जयपुर,28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि वेदों से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेदों की शिक्षाओं को सरल भाषा में बताया जाना आज की जरूरत है। देवनानी का कहना था कि हम कितने भी आधुनिक बन जाएं, वेदों की शिक्षाओं की आवश्यकता हमारे जीवन में सदैव बनी रहेगी।

देवनानी ने कहा कि वेद प्राचीनतम ग्रंथ हैं लेकिन यह आज भी सामायिक है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरल भाषा में वेदों को समझाना आवश्यक है। देवनानी ने विद्वानों का आव्हान किया कि वे वेदों का सरलीकरण से विवेचन करें ताकि लोगों को वेदों की अनुभूति हो सके और वे समझ सके कि मानव जीवन की समस्याओं का समाधान वेदों में है। देवनानी का मानना था कि जीवन जीने की शैली वेदों से समझी जा सकती है।

देवनानी शनिवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित श्री अरविंद के आलोक में वेद की आधुनिक व्याख्या पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। श्री देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

चंडीगढ़ के दलित संगठनों का सेक्टर 17 में प्रदर्शन

गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़,28 दिसंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में आज दलित संगठनों ने सेक्टर 17 के प्लाजा में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर रोष जताया और उनके इस्तीफे की मांग की। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान की सख्त निंदा करते हुए संगठनों ने इसे भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता करार दिया। प्रदर्शन का आयोजन विभिन्न दलित संगठनों ने संयुक्त रूप से किया, जिनमें डॉ. बी. आर. अंबेडकर संयुक्त संघर्ष मोर्चा, संविधान बचाओ संघर्ष समिति, संविधान बचाओ एकता मंच और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एसोसिएशन शामिल थे। प्रदर्शन में ओ. पी. चोपड़ा, नरेंद्र चौधरी, भगत राज तिसावर, प्रेम पाल चौहान और अन्य दलित नेताओं ने भाग लिया।

नेताओं ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का संसद में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर दिया गया बयान न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि यह दलितों और देश के संविधान के प्रति भाजपा की असली मानसिकता को भी उजागर करता है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अमित शाह ने जानबूझकर अंबेडकर जी का अपमान किया है, जिससे पूरे देश में दलित समुदाय आक्रोशित है।

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति से अपील की कि अमित शाह को केंद्रीय गृह मंत्री के पद से तुरंत हटाया जाए। उन्होंने उपायुक्त चंडीगढ़ के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ओ. पी. चोपड़ा और नरेंद्र चौधरी ने कहा कि बाबा साहेब ने महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है, और ऐसे में उनके प्रति इस तरह की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

पवन भारती को टीसी प्रकाश स्मृति सम्मान

जयपुर, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान के जिला नीमकाथाना, शेखावाटी के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, लेखक व आईना ए शेखावाटी समाचार पत्र के संस्थापक संपादक टी सी प्रकाश की 92वीं जयंती के अवसर पर शिमला खेल मैदान में आयोजित स्मृति सम्मान का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हैदराबाद के पत्रकार पवन भारती को टीसी प्रकाश स्मृति सम्मान के लिए चयन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार आगामी, दि. 2 जनवरी 2025 को सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। टी सी प्रकाश स्मृति सम्मान समारोह के संयोजक रामानंद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर शेखावाटी के साथ ही हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान की सैकड़ो प्रतिभाओं को शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा, विधि, न्याय, साहित्य, लेखन, पत्रकारिता, पर्यावरण व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए संपूर्ण भारत से प्रतिभाओं को आमंत्रित किया गया है। इसी क्रम में हाल ही हैदराबाद के राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र से स्वतंत्र पत्रकार एवं राजस्थान में नालपुर प्रवासी पवन भारती (अग्रवाल) को पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए शेखावाटी गौरव अवार्ड से सम्मानित किया जाएग। ज्ञात हो कि राजस्थान के झुंझुनू एवं नीमकाथाना जिले के ग्रामीण क्षेत्र में पवन भारती का पत्रकारिता एवं सामाजिक सेवा में अतुलनीय कार्य रहा है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल गिरफ्तार

चंडीगढ़,28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सोनीपत यूनिट ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल को गिरफ्तार किया है। अंकित फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की योजना बना रहा था। वह चार गंभीर अपराधों में शामिल था और हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था। सोनीपत एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि अंकित नरवाल, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहता था, विदेश भागने की तैयारी कर रहा था। इस पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए अंकित को गिरफ्तार किया। अंकित पर चंडीगढ़ में दो युवकों की हत्या सहित कई गंभीर अपराधों का आरोप है। एसटीएफ ने उसकी योजना को नाकाम कर दिया और उसके खिलाफ सबूत जुटाए।

हरियाणा में मौसम का कहर : लगातार बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित

चंडीगढ़,28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में मौसम का मिजाज पिछले कुछ दिनों से लगातार बदल रहा है। बारिश, ओलावृष्टि और तूफान के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शुक्रवार को प्रदेश के अधिकतर जिलों में तेज बारिश हुई, जिससे ठंड ने अपना असर बढ़ा दिया। मौसम विभाग ने आज हरियाणा के 7 जिलों में फिर से बारिश, ओलावृष्टि और तूफान की आशंका जताई है। करनाल, इंद्री, रादौर, जींद, कैथल, असंध, थानेसर समेत अन्य इलाकों में तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की संभावना है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे नुकसान की आशंका है।

शुक्रवार को हुई बारिश के आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा 41.5 एमएम बारिश सोनीपत में दर्ज की गई। इसके अलावा अन्य जिलों में बारिश की स्थिति इस प्रकार रही: गुरुग्राम: 20.5 मिमी, रोहतक: 18.0 मिमी, कुरुक्षेत्र: 10.0 मिमी, भिवानी: 9.8 मिमी, अंबाला: 8.0 मिमी, सिरसा: 5.0 मिमी, हिसार: 4.5 मिमी, करनाल: 1.5 मिमी, पानीपत: 1.0 मिमी। राजधानी चंडीगढ़ में भी 8.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सिरसा में न्यूनतम तापमान 16.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री कम है। 29 दिसंबर तक रहेगा। मौसम विभाग ने 29 दिसंबर तक हरियाणा में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही घने कोहरे की भी चेतावनी दी गई है। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

संभल में बावड़ी में अब नजर आए चार दरवाजे, सीमेंट के खंभे भी मिले

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के चंदौसी में बावड़ी की खुदाई आठवें दिन भी जारी रही। अब तक खुदोई में 14 से अधिक सीढ़ियां और सीमेंट के बने खंभे मिले हैं। मौके पर एएसआई की टीम लगातार सर्वे कर रही है। इमारत की सुरक्षा को देखते हुए मशीन से काम बंद करवा दिया गया था। इसके बाद नगर पालिका की लगभग 50 मजदूर बावड़ी की साफ सफाई में लगे हैं।

इससे पहले, शुक्रवार को लक्ष्मणगंज में मिली बावड़ी का सिरा और कुएं की तलाश के लिए एएसआई टीम की मौजूदगी में सड़क तक की खोदाई की गई। सड़क से इंटरलॉकिंग टाइल्स हटाए गए तो चार दरवाजों का एक हिस्सा दिखाई दिया है। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां पर बावड़ी का कुआं है। बावड़ी के तीन ओर के मकान अतिक्रमण माने जा सकते हैं। प्रशासन बावड़ी का पूरा दायरा जानने के लिए आसपास से अतिक्रमण भी हटाएगा। शुक्रवार की सुबह करीब 8:30 बजे एएसआई की टीम के राजेश कुमार बावड़ी स्थल पर पहुंचे।

नगर पालिका के ईओ कृष्ण कुमार सोनकर व सेनेटरी इंस्पेक्टर प्रियंका सिंह से बावड़ी का सिरा और कुआं तलाशने के लिए कहा।

इसके बाद पालिका की एक टीम ऊपरी मंजिल के गलियारों से मिट्टी निकालने में जुट गई तो वहीं दूसरी टीम सड़क की ओर के हिस्से में कुआं और बावड़ी के सिरे की तलाश में खुदाई के लिए जुट गई। मजदूरों ने सड़क पर खुदाई की तो अंदर गड्ढा नजर आया। ऊपर की मिट्टी हटाई तो दीवारें नजर आने लगीं। सड़क के टाइल्स उखाड़ कर आगे खोदाई कराई तो एक कमरा नजर आया। जिसकी चारों दीवारों पर गेट बने दिखाई दे रहे थे। माना जा रहा है कि यहीं पर बावड़ी का कुआं है। शाम पांच बजे के आसपास खुदाई रोक दी गई।

माना जा रहा है कि भूमिगत बावड़ी इंटरलॉकिंग की सड़क पार तक है। वहीं बावड़ी का गेट दूसरी ओर है। जहां दोनों साइड में दो मकान बने हैं। बावड़ी को अस्तित्व में लाने के लिए मकान प्रभावित हो सकते हैं। ईओ कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि बावड़ी के ऊपर किया गया अतिक्रमण हटाया जाएगा। ऐसे में तीन मकानों पर भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई हो सकती है।

बावड़ी की पहली मंजिल के गलियारे में भरी मिट्टी को निकालने के लिए शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक 20 से अधिक मजदूर लगे रहे और खोदाई से निकली मिट्टी ट्रैक्टर-ट्रॉली तक पहुंचाते रहे। बावड़ी की पहली मंजिल की दाईं ओर का गलियारा पूरी तरह से साफ कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर गलियारे में मिट्टी पूरी तरह से नहीं निकाली जा सकी है।

पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह का कहना है कि चंदौसी में मिली बावड़ी सहसपुर स्टेट यानी उनके परिवार की संपत्ति है। उन्होंने कहा कि यह बावड़ी तीन मंजिल की है, जो अनोखी चीज है। उत्तरी भारत में बहुत कम बावड़ी हैं। बावड़ी राजस्थान और गुजरात आदि में ज्यादा मिलती हैं। शुक्रवार को पूर्व सांसद ने बिलारी में राजा का सहसपुर स्थित अपने महल में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बावड़ी को अपनी बता रहे हैं। जो लोग ये कह रहे हैं वह उनसे परिचित नहीं हैं।

जबकि सच्चाई ये है कि बावड़ी हमारे परिवार की बनवाई हुई है। हमारे परिवार की मिल्कियत है। परिवार में दो लोग हैं। एक मैं और मेरी छोटी बहन। ये बात स्पष्ट करनी थी।

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि पुरातत्व विभाग इसे अपनी सुपुर्दगी में ले और उसका जीर्णोद्धार करे, ताकि यह चंदौसी वासियों के लिए एक अच्छा पर्यटन स्थल बने। उन्होंने बताया कि बावड़ी के पास कृष्ण निवास नाम से कोठी थी। वह हमारे बुजुर्ग राजा कृष्ण कुमार सिंह साहब ने बनवाई थी। वहां एक पत्थर भी लगा है। जिस पर कृष्ण निवास लिखा है। उसी कोठी परिसर में ये बावड़ी बनी है। प्रशासन पुराने रिकार्ड खंगाले तो सच सामने आ जाएगा।

मथुरा के हिंदू मंदिर पर हमला

मूर्तियां खंडित कर फेंकी

मथुरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में एक स्थानीय मंदिर में कुछ युवकों ने हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडित कर दी। उन्हें तोड़ कर मंदिर के बाहर फेंक दिया गया। मंदिर में लगे भगवान के फोटो भी इन युवकों ने जला दिए। इसके बाद मंदिर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की फोटो स्थापित करने की कोशिश की गई। मंदिर पर हमला करने का आरोप अनुसूचित जाति से जुड़े युवकों पर लगा है। वहीं वाराणसी में कुछ छात्रों ने मनुस्मृति जलाने का प्रयास किया और मारपीट भी की। दोनों घटनाओं में पुलिस ने कार्रवाई की है।

मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र के उदियागढ़ी गांव में बने मंदिर पर पिछले दिनों कुछ युवकों ने हमला कर कलश, त्रिशूल और सर्प को तोड़ डाला। उन्होंने मंदिर में स्थापित मूर्तियां भी तोड़ दीं और उन्हें फेंक दिया। इसके अलावा मंदिर में जितने भी भगवानों के चित्र लगे हुए थे, उनमें आग लगा दी। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर का एक फोटो मंदिर में स्थापित करने का प्रयास किया।

इसी बीच गांव के लोगों ने इस करतूत को देख लिया और यहां पहुंच गए। इसके बाद यह सभी युवक भाग गए। गांव वालों ने इस संबंध में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। मंदिर में मूर्तियां खंडित करने के आरोपित युवक अनुसूचित जाति से जुड़े बताए जा रहे हैं। गांववालों ने इस संबंध में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने लोगों को शांत करने के साथ ही मंदिर में मरम्मत भी करवा दी है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। मामले में शिकायत भी दर्ज करवाई गई है। घटना के बाद का एक वीडियो भी वायरल है।

मथुरा के अलावा वाराणसी में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों ने हंगामा किया। यह यहां के एक व्यस्त चौराहे पर इकट्ठा होकर मनुस्मृति जलाने जा रहे थे और नारेबाजी कर रहे थे। इन छात्र-छात्राओं ने यहां मारपीट और धार्मिक उन्माद फैलाने का प्रयास भी किया। पुलिस ने इस मामले में 13 छात्र-छात्रों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 3 छात्राएं हैं। यह सभी इक्ग में अलग-अलग विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं। इनके भगत सिंह मोर्चा नाम के एक संगठन से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। इन्हें जेल भेज दिया गया है। उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार के सीतामढ़ी में भी एक व्यक्ति के मनुस्मृति जलाने की बात सामने आई है। इस संबंध में पुलिस से लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। सीतामढ़ी पुलिस ने यह जानकारी दी है।

बिजली के निजीकरण के खिलाफ आंदोलन तेज

एक जनवरी को पूरे प्रदेश में मनाएंगे काला दिवस

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में बिजली के निजीकरण को लेकर चल रहा संघर्ष और तेज हो गया है। बिजली कर्मियों ने गोरखपुर में हुई बिजली पंचायत में तय किया है कि एक जनवरी को काला दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश में निजीकरण के विरोध में अभियंताओं और कार्मिकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को गोरखपुर में हुई पंचायत में निजीकरण का प्रस्ताव खारिज होने की घोषणा तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया गया। बिजली कर्मियों ने यह भी ऐलान किया कि एक जनवरी को पूरे प्रदेश में काली पट्टी बांध कर कार्य किया जाएगा। इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। हालांकि बिजली व्यवस्था पर इसका कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी अपना काम करते रहेंगे।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि पावर कारपोरेशन प्रबंधन निजीकरण की एकतरफा कार्रवाई करके अनावश्यक तौर पर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बना रहा है। संघर्ष समिति के शैलेन्द्र दुबे, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, महेन्द्र राय आदि ने ऐलान किया कि 29 दिसंबर को झांसी में होने वाली बिजली पंचायत भी ऐतिहासिक होगी। इसकी तैयारी की जा चुकी है। इसके बाद पांच जनवरी को प्रयागराज में भी बिजली पंचायत होगी।

हर डिस्कॉम में चार अधिशासी अभियंताओं को निलंबित करने के आदेश पर पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आक्रोश जताया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करने और पूरे मामले में कमेटी बनाकर जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि निगमों के प्रबंध निदेशकों की भाषा शैली पर कारपोरेशन प्रबंधन तत्काल कार्रवाई करे। मुफ्त समाधान योजना की समीक्षा के नाम पर अभियंताओं को लक्ष्य बनाकर की जा रही कार्रवाई से निगमों में औद्योगिक अशांति पैदा होगी। एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, अनिल कुमार, आरपी केन, बिंदा प्रसाद, सुशील कुमार वर्मा, एके प्रभाकर आदि ने कहा कि पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक मुफ्त समाधान योजना की 10 दिन के अंदर समीक्षा के आधार पर अभियंताओं को टारगेट किया जा रहा है, जिससे सिद्ध होता है कि बिजली कंपनियों का प्रबंधन पीपीपी मॉडल को लागू न कर पाने से बौखला गया है।

प्रार्थना सभा की आड़ में मिशनरी करा रहे धर्मांतरण

उन्नाव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देशभर में धर्मांतरण के खिलाफ की जा रही गतिविधियों ने चार प्रमुख घटनाओं को उजागर किया है। इन घटनाओं में अब तक कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है, तो पादरी समेत कम से कम 9 को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, कई अन्य लोगों से पूछताछ जारी है। कार्रवाई में पादरियों सहित अन्य आरोपित शामिल हैं।

उन्नाव जिले के बिहार थानाक्षेत्र के खेसुआ गांव में बुधवार (25 दिसंबर 2024) को क्रिसमस प्रार्थना सभा के दौरान धर्मांतरण कराने की शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों पर केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि प्रार्थना सभा का आयोजन शारदा नाम की महिला ने किया था, जो स्थानीय जमीन पर कब्जा कर वहां धर्मांतरण गतिविधियां चला रही थी। ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो मारपीट की गई।

बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर सभा बंद कराई और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शारदा, उसके बेटों राहुल, अजय, विजय, आशीष और मनीष के साथ दो अन्य सहयोगियों रमेश और राजेश को गिरफ्तार किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के कटसरैया गांव में धर्मांतरण कराने के आरोप में पादरी एल्गिन सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन्हें गुरुवार (26 दिसंबर 2024) सुबह मनवा तिराहा से पकड़ा। पादरी पर उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन अधिनियम 2021 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि एल्गिन सिंह कई स्थानीय लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित कर रहा था। इस मामले में अन्य संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पादरी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

बालासोर जिले के गोबरधनपुर गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने तीन लोगों को धर्मांतरण के प्रयास के आरोप में पकड़कर पेड़ों से बांध दिया। आरोपों के मुताबिक, छनाखानपुर गांव के गोबिंद सिंह, मित्रपुर मखापड़ा गांव के सुबासिनी सिंह और मुखुरा पंचायत और रेमुना पुलिस सीमा के रेमुना मुखुरा के सुकांति सिंह ने कथित तौर पर आदिवासी परिवारों को धर्मांतरण के लिए तैयार किया था।

देबसेना की नीलगिरि शाखा के अध्यक्ष बादल कुमार पांडा ने कहा कि गोबिंद सिंह के घर पर भोजन की व्यवस्था थी, जिसमें मांस और चावल शामिल थे।

मेरी क्रिसमस वाक्यांश से सजा एक केक भी मिला, जिससे संदेह पैदा हुआ कि धर्मांतरण समारोह चल रहा था। ग्रामीणों को संदेह था कि आरोपित परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें पेड़ों से बाँध दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद इलाके में तनाव बना हुआ है।

सहारनपुर के नानौता क्षेत्र के ओलरी गांव में एक घर के अंदर धर्मांतरण गतिविधियों की सूचना पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने हंगामा किया। आरोप है कि मकान मालिक अपने बेटे के साथ मिलकर प्रलोभन देकर धर्मांतरण करवा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया।

विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष दिग्विजय त्यागी ने आरोप लगाया कि एक घर में काफी संख्या में लोगों को एकत्रित कर प्रलोभन देते हुए धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहीं, थाना पुलिस ने बताया कि धर्मांतरण का मामला नहीं है। निजी कार्यक्रम था। आयोजकों को भविष्य में अनुमति लेकर कार्यक्रम करने की हिदायत दी गई है।

गौरतलब है कि देशभर में धर्मांतरण को लेकर बढ़ती घटनाएं प्रशासन और जनता के बीच गंभीर चर्चा का विषय बन गई हैं। स्थानीय संगठनों और पुलिस की सक्रियता से ऐसे मामलों में कार्रवाई हो रही है, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी जारी है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि धर्मांतरण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सतर्कता और पारदर्शिता जरूरी है, ताकि कानून का पालन सुनिश्चित हो और सामुदायिक तनाव न बढ़े। ऐसे में स्थानीय प्रशासन को भी चाहिए कि वो धर्मांतरण की गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान कर उनपर सख्त कार्रवाई करे।

संभल में जामा मस्जिद के सामने पुलिस चौकी का निर्माण

भूमि पूजन हुआ, सत्यव्रत चौकी होगा नाम

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल से सतर्क पुलिस-प्रशासन जामा मस्जिद के नजदीक पुलिस चौकी बनाने जा रहा है। पुलिस चौकी निर्माण के लिए आज भूमि पूजन हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचंद्र की मौजूदगी में पंडित शोभित शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन संपन्न कराया।

संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट है। अब जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण शुरू हो गया है। शुक्रवार को मस्जिद के पास खाली मैदान पर खुदाई करवाई गई। अब शनिवार सुबह में निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन कराया गया है। 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल से सतर्क हुए पुलिस-प्रशासन ने जामा मस्जिद के नजदीक पुलिस चौकी बनाने का निर्णय लिया।

यह पुलिस चौकी जामा मस्जिद के सामने स्थित मैदान में बनाई जा रही है। शुक्रवार को एएसपी के नेतृत्व में पुलिस चौकी के लिए जमीन की पैमाइश की गई। नगर पालिका की टीम ने नींव खुदाई शुरू की। संभल के जामा मस्जिद के पास निर्माणाधीन पुलिस चौकी का नाम सत्यव्रत पुलिस चौकी रखा जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि संभल के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यह नाम प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह चौकी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बनाई जा रही है। सत्यव्रत नाम संभल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के सम्मान को दर्शाता है।

हाल के दिनों में क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी के तहत यह चौकी भी तैयार की जा रही है।

इसी दौरान कुछ लोगों ने पहुंचकर अपनी पुश्तैनी जमीन होने का दावा किया। एसडीएम ने दावे को खारिज कर दिया है। जिस जमीन पर पुलिस चौकी का निर्माण हो रहा है वो जामा मस्जिद के नाम वक्फ जमीन में बनाया जाना है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से पुलिस चौकी का निर्माण कराया जा रहा है। एहतियाती तौर पर सुरक्षा 24 नवंबर से जामा मस्जिद के नजदीक है। इसी क्रम में अब पुलिस चौकी बनाई जा रही है।

24 नवंबर को हुए बवाल के बाद एहतियाती तौर पर चौकसी लगातार बरती जा रही है। इसी क्रम में अब शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। जिससे पूरे शहर में निगरानी की जा सके। डीएम ने बताया कि पालिका की ओर से सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके लिए अलग अलग स्थानों पर कंट्रोल रूम बनाए जा रहे हैं। उधर, शुक्रवार को पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह ने बिलारी के राजा का सहसपुर स्थित अपने महल में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि लोग कह रहे थे कि चंदौसी में एक बावड़ी मिली है। बावड़ी तीन मंजिल की है, जो अनोखी चीज है। उत्तरी भारत में बहुत कम बावड़ी हैं। बावड़ी का ज्यादा रिवाज राजस्थान और गुजरात आदि में होता है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बावड़ी को अपनी बता रहे हैं। जो लोग ये कह रहे हैं उनसे वह परिचित नहीं हैं। जबकि सच्चाई ये है कि हमारे परिवार की बनाई हुई है। हमारे परिवार की मिल्कियत है। परिवार में दो लोग हैं। एक मैं और मेरी छोटी बहन। ये बात स्पष्ट करनी थी। राजा चंद्रविजय सिंह ने कहा कि हम ये चाहते हैं कि पुरातत्व विभाग इसे अपनी सुपुर्दगी में ले और उसका जीर्णोद्धार करे, ताकि यह चंदौसी वासियों के लिए एक अच्छा पर्यटन स्थल बने।

उन्होंने बताया कि बावड़ी के बारे में उन्होंने सुना था लेकिन ये नहीं मालूम था कि यहां दबी है। वहां जो कृष्ण निवास करके कोठी थी। वह हमारे बुजुर्ग राजा कृष्ण कुमार सिंह साहब ने बनवाई थी। वहां एक पत्थर भी लगा है। जिस पर कृष्ण निवास लिखा है। उसी कोठी परिसर में ये बावड़ी बनी है। प्रशासन पुराने रिकार्ड खंगाले तो सच सामने आ जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख कौशल किशोर वंदेमातरम् आदि भी थे।

संभल हिंसा में निकला बाटला हाउस कनेक्शन

बाटला हाउस से अदनान और रिहान गिरफ्तार

संभल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में दिल्ली का कनेक्शन सामने आया है। पुलिस ने संभल हिंसा मामले में दिल्ली के बाटला हाउस से आरोपित अदनान और उसके साथी रिहान को गिरफ्तार किया है। आशंका है कि पुलिस से बचने के लिए कई दंगाई भागकर दिल्ली में आ छिपे हैं। पुलिस की दिल्ली के जामिया, ओखला, जफराबाद, सीलमपुर इलाकों पर विशेष नजर है।

अदनान का घर सपा सांसद जियाउर्रहमान के घर से 100 मीटर की दूरी पर है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अदनान को गिरफ्तार किया। अदनान पर आरोप है कि उसने अपने साथियों के साथ पुलिस पर पथराव और आगजनी की थी। उसके साथ ही रिहार को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि शरण देने वाले लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के मुताबिक, अदनान हिंसा के बाद दिल्ली के जामिया इलाके में अपने दोस्तों के साथ छिपा था। जांच में यह भी सामने आया कि हिंसा के बाद कई और दंगाई दिल्ली में छिपे हो सकते हैं, जिसके बाद पुलिस ने दिल्ली के ओखला, जफराबाद और सीलमपुर इलाकों में छापेमारी शुरू कर दी है। संभल हिंसा में दंगाइयों ने पुलिस पर पथराव किया और गाड़ियों में आग लगा दी थी। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए बल प्रयोग किया था। इस दौरान हिंसा में 5 लोगों की जान गई थी, तो वरिष्ठ अधिकारियों समेत कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे।

भारतीय नौसेना ने मैदान में उतारे 9 खूंखार शिकारी

एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ हुए ऑपरेशनल

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे जा रहे खूंखार शिकारी 24 एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ को ऑपरेशनल कर दिया है। इन बहु भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत किया है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी।

भारतीय नौसेना ने इसी साल 06 मार्च को पारंपरिक वॉटर कैनन सलामी के साथ कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्काड्रन को औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था। इस सीहॉक्स स्काड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करेगा। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी-मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर हमारी समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा।

भारतीय नौसेना ने अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीदे हैं, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुआ था। इस सौदे के तहत अब तक नौ एमएच-60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सीहॉक की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मजबूत करेगी। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं।

अमेरिकी नौसेना के साथ हुए अनुबंध के तहत सभी 24 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति 2025 तक पूरी हो जाएगी। अत्याधुनिक मिशन सक्षम प्लेटफार्मों को शामिल करने से भारतीय नौसेना की विभिन्न एएसडब्ल्यू क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। सभी हेलीकॉप्टर मिलने के बाद भारत को सतह-विरोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मिलेगी। साथ ही भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत अपनी बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग क्षेत्रीय खतरों से निपटने और अपनी मातृभूमि की रक्षा को मजबूत करने के लिए करेगा। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ावा देने के साथ समुद्री डोमेन में निरंतर नौसैनिक संचालन का समर्थन करेगा।

बहुउद्देश्यीय अमेरिकी समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच-60आर को पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध, खोज और बचाव, चिकित्सा निकासी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस हेलीकॉप्टर में नाइट विजन उपकरण, हेलिफायर मिसाइलें, एमके-54 टॉरपीडो और रॉकेट लगे हैं।

रोमियो हेलीकॉप्टर में लगे राडार और सेंसर न केवल पानी के अंदर, बल्कि पनडुब्बियों की पहचान करके समय रहते उनका शिकार भी कर सकेंगे। इस खूंखार शिकारी से हरेक पनडुब्बी का कैप्टन डरता है। यह हेलीकॉप्टर कई अलग-अलग तरह के हथियारों से लैस हो सकता है, क्योंकि इसमें हथियारों को लगाने के लिए चार प्वाइंट्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए इसमें 7.62 एमएम की मशीन गन को भी लगाया जा सकता है।

मुस्लिमों ने अयोध्या, काशी, मथुरा नहीं सौंपे, इसलिए हिंदू नाराज: विहिप

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) महासचिव मिलिंद परांडे ने हिंदू समाज में मुस्लिम स्मारकों पर अधिकार के दावों और अदालतों में दाखिल याचिकाओं पर कहा कि मुस्लिम समुदाय द्वारा अयोध्या, काशी और मथुरा के विवादित स्थलों को हिंदुओं को स्वेच्छा से नहीं सौंपने से हिंदू समाज में नाराजगी है।

मिलिंद परांडे ने 1984 में आयोजित धर्म संसद का जिक्र करते हुए कहा, तब यह प्रस्ताव रखा गया था कि अयोध्या, काशी और मथुरा हमें दे दिए जाएं, और इसके बाद अन्य मुद्दों पर कोई हलचल नहीं होगी। लेकिन 2025 आने को है और यह प्रस्ताव अब तक लागू नहीं हो सका। इसी कारण समाज में जो नाराजगी दिख रही है, वह स्वाभाविक है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान को लेकर परांडे ने कहा, भागवत जी ने काशी और मथुरा के संदर्भ में जो बात कही, उसे समझने की जरूरत है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर को हिंदुओं के विश्वास का प्रतीक बताया था और कहा था कि रोजाना नए मुद्दे उठाना नफरत और द्वेष पैदा कर सकता है। हालांकि, कुछ हिंदू संतों द्वारा उनके बयान के विरोध करने के सवाल पर उन्होंने कहा, हम संतों के विरुद्ध टिप्पणी नहीं करते।

परांडे ने मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के मुद्दे पर कहा कि विहिप 5 जनवरी 2025 से देशव्यापी जन जागरूकता अभियान शुरू करेगी। यह अभियान विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित होने वाली हैंदव शंखावरम नाम की विशेष सभा से शुरू होगा। विहिप ने मंदिर प्रबंधन को समाज को सौंपने के लिए एक मसौदा कानून भी तैयार किया है, जिसे हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सौंपा गया।

विहिप ने मंदिरों को समाज को सौंपने से पहले कुछ प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें शामिल हैं मंदिरों और एंडोमेंट विभागों से सभी गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटाना। पूजा और सेवा के कार्यों में केवल धर्म का पालन करने वाले हिंदुओं को नियुक्त करना। मंदिर प्रबंधन और ट्रस्ट बोर्ड में राजनीतिक दलों से जुड़े व्यक्तियों की नियुक्ति पर प्रतिबंध। मंदिर परिसर में दुकानों के संचालन की अनुमति केवल हिंदुओं को देना। मंदिरों की भूमि पर गैर-हिंदुओं द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाना।

विहिप का कहना है कि उनकी यह पहल हिंदू समाज को मंदिरों के संरक्षण और प्रबंधन में सशक्त बनाने के लिए है। उनका मानना है कि मंदिर हिंदू संस्कृति और परंपरा का आधार हैं और इनका सही प्रबंधन जरूरी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हिंदू-मुस्लिम विवादित स्थलों पर चर्चा और मंदिर निर्माण की मांग तेज हो रही है। विहिप ने स्पष्ट किया कि उनका अभियान सांप्रदायिकता फैलाने के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक अधिकार सुनिश्चित करने के लिए है।

गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब का मार्ग

जोरावर सिंह और फतेह सिंह के नाम से जाना जाएगा

देहरादून, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने उत्तराखंड सरकार का आभार प्रकट किया है कि गोविंद घाट से घांघरिया और श्री हेमकुंड साहिब तक का मार्ग का नाम दशम गुरु गोबिंद सिंह के शहीद साहिबजादों के नाम पर रखा है। गुरुद्वारा प्रबंधन ने कहा, हम उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने गोविंदघाट घाघरिया मार्ग का नाम साहिबज़ादा जोरावर सिंह मार्ग और बिदौरा छवीं पातशाही गेट से धूमखेड़ा को साहिबज़ादा फतेह सिंह रोड के रूप में रखा। यह श्रद्धांजलि वीर बाल दिवस के अवसर पर दी गई, जो इन दो साहसी युवा शहीदों की अविस्मरणीय विरासत का प्रतीक है, जिन्होंने अपने धर्म और सिद्धांतों के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह, गुरु गोबिंद सिंह के पुत्र, ने बहुत कम उम्र में असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया, जिससे अनगिनत लोगों को अपने विश्वासों और मूल्यों के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित किया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने उनकी बहादुरी को याद करके यह सुनिश्चित किया है कि उनकी कहानी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। प्रबंधन ने कहा, एक बार फिर, हम मुख्यमंत्री का इस सोची समझी पहल के लिए आभार व्यक्त करते हैं, जो न केवल साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह की यादों को सम्मानित करती है, बल्कि उनके द्वारा प्रतिबिंबित साहस, दृढ़ संकल्प और बलिदान के मूल्यों को भी मजबूत करती है। गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट एवं हेमकुंट साहिब के दर्शनों के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की और से मुख्यमंत्री का साधुवाद करते हैं।

तमिलनाडु पुलिस पर बिफरा मद्रास हाईकोर्ट

ऐसा रवैया रहेगा तो पुलिस के पास जाने से लोग डरेंगे

चेन्नई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को चेन्नई पुलिस को उस 19 वर्षीय छात्रा की पहचान का विवरण लीक करने के लिए फटकार लगाई, जिसका इस सप्ताह के शुरू में अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न किया गया था। जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण की अवकाश पीठ ने पूछा कि मामले की एफआईआर पुलिस द्वारा कैसे लीक की गई।

हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में पुलिस से पूछा कि पीड़ित परिवार के लिए कौन जिम्मेदार है और वे किन परिस्थितियों से गुजर रहे हैं? कोर्ट ने कहा कि पुलिस के इस तरह के रवैये से अन्य लोग पुलिस के पाए जाने से कतराएंगे। कोर्ट ने कहा कि अब सभी छात्रों के माता-पिता पुलिस के पास जाने से डरेंगे। हम भी इस बारे में चिंतित हैं और हम सभी छात्रों से अनुरोध करना चाहते हैं कि वे आगे आएं और हमें बताएं कि क्या उन्हें कुछ और पता है।

पीठ ने सुनवाई शनिवार तक स्थगित करते हुए कहा कि आप एफआईआर अपलोड कर सकते हैं, लेकिन आपको पहचान संबंधी विवरण को संशोधित करना होगा। आप हमें जवाब दीजिए। पीड़िता और उसके परिवार को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई आप नहीं कर सकते। कल सुबह तक हमें बताइए।

कोर्ट मामले की जांच से संबंधित निर्देश मांगने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ताओं में से एक वकील जयप्रकाश हैं, जो अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के सदस्य भी हैं। कोर्ट ने सुबह तमिलनाडु सरकार को आज दोपहर 2.15 बजे तक मामले पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

25 दिसंबर को चेन्नई पुलिस ने सड़क किनारे बिरयानी बेचने वाले एक शख्स को अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया। शिकायत के अनुसार, यह घटना इसी साल 23 दिसंबर को हुई थी। शिकायतकर्ता ने बाद में पुलिस से संपर्क किया और यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति में भी शिकायत दर्ज कराई।

आज दोपहर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल किया कि पुलिस आयुक्त ने कैसे दावा किया कि मामले में केवल एक ही आरोपी शामिल था, जबकि जांच अभी भी जारी है। याचिका में पूछा गया कि आयुक्त ने कैसे प्रेस कॉन्फ्रेंस की और यह बयान दिया कि केवल एक आरोपी ही इसमें शामिल है? आपके सेवा नियम कहां हैं और वे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के बारे में क्या कहते हैं?

इसमें आरोपी के खिलाफ हिरासत में यातना के आरोपों के बारे में भी पूछा गया। इसमें कहा गया कि आरोपी के हाथ और पैरों पर पट्टियां क्यों थीं? राज्य ने जवाब में कहा कि आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था। बेंच ने अन्ना यूनिवर्सिटी की खामियों की ओर भी इशारा किया और अन्ना यूनिवर्सिटी की ओर से की गई खामियों के बारे में क्या? आपके कैंपस के अंदर कुछ हुआयहां तक कि पुलिस को भी आपके कैंपस में घुसने के लिए आपकी अनुमति की जरूरत थी, लेकिन एक बदमाश को आपके कैंपस में खुलेआम घूमने की इजाजत दी गई।

अधिवक्ता जयप्रकाश ने दलील दी कि आपराधिक रिकॉर्ड होने के बावजूद आरोपी पर पुलिस द्वारा निगरानी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस जाकर पीड़िता का विवरण बताती है। अब हर कोई उसका फोन नंबर, उसका घर जानता है। उसे और उसके माता-पिता को बहुत कुछ झेलना पड़ रहा है। इसलिए उन्होंने एक सिंगल जज की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच की मांग की।

हालांकि, कोर्ट ने कहा, जज जांच में विशेषज्ञ नहीं हैं। एक अन्य याचिकाकर्ता के वकील जीएस मणि ने दलील दी कि हिरासत के दौरान पुलिस ने आरोपी की पिटाई की थी। उन्होंने पूछा कि क्या यह आरोपी को चुप कराने और किसी अन्य को बचाने के लिए किया गया? मणि ने यह भी कहा कि आरोपियों के खिलाफ लगभग 20 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 16 में दोषसिद्धि हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने यह भी कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय में 70 सीसीटीवी कैमरे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि 56 काम नहीं कर रहे हैं। जवाब में, महाधिवक्ता (एजी) पीएस रमन ने इस दलील पर आपत्ति जताई कि आरोपी का संबंध द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) से है।

रमन ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ 20 मामले 2010 से 2018 के बीच दर्ज किए गए थे, जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी। रमन ने कहा कि आरोपी को अपराध के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारी सराहना करने के बजाय वे सिर्फ तीन दिनों में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कोर्ट ने इस बयान पर आपत्ति जताई। पीठ ने कहा, किस बात की सराहना और प्रशंसा? संवैधानिक रूप से राज्य अपराधों को रोकने के लिए बाध्य है। कोई अपराध होता है और पुलिस किसी को गिरफ्तार कर लेती है और हमसे इसकी सराहना करने की उम्मीद की जाती है? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी कहा कि इस तरह के अपराधों का एक प्रमुख कारण समाज में नशीली दवाओं का खतरा है।

इसमें कहा गया कि आपको (राज्य को) भी इस बारे में कुछ करना चाहिए। हमें ऐसी घटनाओं का बचाव करने के बजाय सक्रिय होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस घटना के कारण लोगों को महिलाओं के बारे में बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अब किसी को भी महिलाओं की स्वतंत्रता तथा लड़कियों के लड़कों के साथ घूमने-फिरने या बात करने के बारे में बेतुके बयान नहीं देने चाहिए। अटॉर्नी जनरल ने जवाब में कहा, राज्य कभी भी ऐसा कुछ नहीं कहेगा।

मुस्लिम जजों तक को नहीं थी मंदिर से समस्या : जस्टिस कैत ने तोड़वाया हनुमान मंदिर

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने अपने आधिकारिक आवास के भीतर बने हनुमान मंदिर को ध्वस्त करा दिया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिख कर शिकायत की है और कार्रवाई करने की मांग की है। बार एसोसिएशन ने कहा कि इससे पहले कई मुस्लिम चीफ जस्टिस तक उस बंगले में रहे हैं लेकिन उन्होंने मंदिर बना रहने दिया और यहां तक कि उसका जीर्णोद्धार भी करवाया। जस्टिस कैत बौद्ध धर्म के अनुयायी बताए गए हैं।

बार एसोसिएशन के पत्र के अनुसार, जबलपुर के पचपेड़ी में बने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के बंगले में एक पुराना हनुमान मंदिर था। एसोसिएशन ने कहा है कि इस मंदिर में जस्टिस बोबडे, जस्टिस खानविलकर समेत बाकी पूर्व चीफ जस्टिस पूजा किया करते थे।

एसोसिएशन ने कहा है कि इस मंदिर में उनके स्टाफ भी पूजा करते थे जिससे किसी को कोई परेशानी नहीं थी। पत्र में कहा गया है कि यहां जस्टिस रफत आलम और जस्टिस रफीक अहमद भी अपने कार्यकाल के दौरान रहे हैं, उन्होंने भी कभी इस मंदिर पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

एसोसिएशन की शिकायत में कहा गया है कि यह मंदिर सरकारी था और इसकी समय-समय पर मरम्मत भी सरकारी पैसे से करवाई जाती रही है। शिकायत के अनुसार, जस्टिस सुरेश कुमार कैत के यहां आने के बाद इस मंदिर को तोड़ दिया गया और मूर्तियां हटा दी गईं। यह कार्रवाई बिना किसी सरकारी या न्यायिक आदेश के की गई। पत्र में कहा गया है कि इस कृत्य से हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों की भावनाओं का अपमान हुआ है तथा सरकारी सम्पत्ति का भी नुकसान हुआ है। एसोसिएशन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना से मांग की है कि वह दोषियों पर कार्रवाई करें। अभी जस्टिस कैत का पक्ष सामने नहीं आया है।

इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट धन्य कुमार जैन ने कहा, यह मंदिर यहां चीफ जस्टिस का बंगला बनने से पहले से था। यह एक नीम के पेड़ के पास बना था। बाद में यह बंगले में शामिल हो गया। इसमें समय के साथ छोटा-मोटा निर्माण भी करवाया गया। मंदिर लगभग 5÷6 फीट के साइज का था, इसमें हनुमान जी और शिवलिंग स्थापित थे। यहां पूर्व में रहे चीफ जस्टिस पूजा करते थे, उनके स्टाफ भी यहां पूजा करते थे।

सीनियर एडवोकेट जैन ने बताया, यहां तक कि जस्टिस पटनायक यहां रोज सुबह धोती पहन कर पूजा करने आते थे चीफ जस्टिस रहे रफत आलम साहब ने इसका जीर्णोद्धार तक करवाया था। वह इसके सामने चप्पल उतार देते थे। किसी को इससे आपत्ति नहीं थी। लेकिन तीन महीने पहले यहां जस्टिस कैत आए और इसके बाद इस मंदिर को तोड़ दिया गया। अब कहा जा रहा है कि यहां कुछ था ही नहीं। संविधान में सभी धर्मों को आजादी दी गई है, लेकिन जब न्यायपालिका से जुड़े लोग मंदिर हटवा देंगे तो संवैधानिक अधिकारों की रक्षा कौन करेगा।

उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि यदि संभव हो तो सुप्रीम कोर्ट जस्टिस कैत का ट्रांसफर किसी दूसरे हाईकोर्ट में करें। एडवोकेट जैन ने कहा, जस्टिस कैत बौद्ध धर्म को मानते हैं। हमें उससे कोई समस्या नहीं है, यह इसी धरती से जन्मा हुआ धर्म है। लेकिन इसके चलते मंदिर तोड़ा जाना ठीक नहीं है। इसका दोबारा निर्माण करवाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को एक वकील रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी की तरफ से शिकायत मिली थी। वकील त्रिपाठी ने इसी के साथ उस पीआईएल की सुनवाई से भी जस्टिस कैत को अलग करने की मांग की है, जिसमें मध्य प्रदेश के पुलिस थानों के भीतर मंदिर बनाने का विरोध किया गया है। इस पीआईएल में अनुरोध किया गया है कि थानों में बने मंदिर संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ हैं और इन्हें हटाया जाना चाहिए। वकील त्रिपाठी ने मांग की है कि जस्टिस कैत के खिलाफ आरोप सिद्ध होने पर आपराधिक कार्रवाई भी चालू की जाए।

जस्टिस सुरेश कुमार कैत मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं। वह इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट और तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में जज रह चुके हैं। सितंबर 2024 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया था।

डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए 'उपयुक्त' उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है।

अकाशा एयर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने शुक्रवार को पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। विमान नियामक डीजीसीए ने जारी अपने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागर विमानन से जुड़े हुए प्रावधानों का 'अनुपालन' सुनिश्चित करने में 'विफल' रहे हैं।

डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में किए गए नियामकीय लेखा-परीक्षण में पाया गया है कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिम्यूलेटर पर आयोजित किया जा रहा है, जो इसके लिए योग्य नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि डीजीसीए ने अकासा एयर के परिचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को क्रमश: 15 और 30 अक्टूबर को कारण बताओ नोटिस भेजा था। आरोपित अधिकारियों द्वारा भेजे गए जवाब को 'असंतोषजनक' पाते हुए डीजीसीए ने उन्हें छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है।

न्यूज ब्रीफ

देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

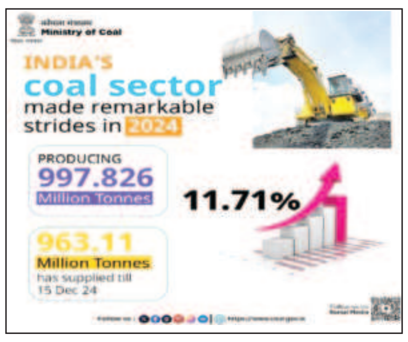

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पोस्ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है। मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान कोयला का उत्पादन अनंतिम 988.32 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 7.66 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

रिलायंस ने कार्किनोस हेल्थकेयर का 375 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी ने प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म कार्किनोस का 375 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स (आरएसबीवीएल) ने जरूरी शेयरों के आवंटन के साथ कर्किनोस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि आरएसबीवीएल ने हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 375 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑन्कोलॉजी केंद्रित हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 24 जुलाई, 2020 को भारत में शामिल किया गया था। यह प्लेटफॉर्म कैंसर का शीघ्र पता लगाने, निदान और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में है। इसका वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार लगभग 22 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि ये कंपनी कैंसर का जल्दी पता लगाने और प्रभावी उपचार से संबंधित सेवाएं देती है, जिनकी कीमत मौजूदा दरों से काफी कम है। इसके बावजूद कंपनी अच्छा लाभ कमा रही है। कंपनी ने दिसंबर 2023 तक लगभग 60 अस्पतालों के साथ साझेदारी की है।

बजट में मिडिल क्लास को मिल सकती है बड़ी राहत, 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी बजट में मिडिल क्लास को राहत देने के लिए इनकम टैक्स दरों में

कटौती करने की योजना बना रही है। हालांकि, टैक्स छूट किस सीमा तक दिया जाएगा इसका निर्धारण अभी नहीं हुआ है। इस पर आखिरी फैसला 1 फरवरी 2025 को बजट पेश किए जाने से पहले लिया जाएगा। अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मिडिल क्लास को राहत देने के लिए केंद्र सरकार आगामी बजट 2025-26 में 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों के लिए इनकम टैक्स में कटौती कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के इस कदम का मकसद धीमी विकास दर के बीच अर्थव्यवस्था में कंजम्पशन को बढ़ावा देना है। देश के कई बड़े जानकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नागरिकों पर आर्थिक बोझ को कम करने के लिए इनकम टैक्स के रेट्स में कटौती करने भी आग्रह किया है। पीएम मोदी ने नीति आयोग की एक बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स से मुलाकात कर आगामी बजट के लिए उनके विचार और सुझाव सुने। बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स ने कथित तौर पर सरकार को आगामी बजट में इनकम टैक्स में कटौती, कस्टम ड्यूटी को रेशनलाइज करने और निर्यात को समर्थन देने के उपायों को शामिल करने का सुझाव दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तब कहां थे ...

संसदीय दल की बैठक में मनमोहन सिंह को सांसदों की कड़ी नाराजगी झेलनी पड़ी। यहां तक कि कांग्रेस पार्टी के अखबार नेशनल हेराल्ड ने भी उनकी नीतियों को मिडिल क्लास विरोधी बताया। यह मनमोहन की दृढ़ता ही थी कि उन्होंने देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए अपमान का यह कड़वा घूंट पी लिया।

साल 2004 में जब सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाईं तब विवशता में विनम्र औह सहिष्णु मनमोहन सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। तब देश के लोगों को उम्मीद थी कि यह एक स्वतंत्र प्रधानमंत्री का कार्यकाल होगा। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी। मनमोहन सिंह को कई अहम फैसलों में नजरअंदाज किया गया। द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर किताब के मुताबिक, वे वित्त मंत्रालय खुद रखना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस हाईकमान के दबाव में यह मंत्रालय पी. चिदंबरम को दिया गया। प्रधानमंत्री होते हुए भी उन्हें अक्सर पार्टी के निर्देशों का पालन करना पड़ता था।

साल 2012 में जब मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने संसद के बाहर, हजारों जवाब से अच्छी मेरी खामोशी है, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी... शेर सुनाकर सुर्खियां बटोरी थीं। वैसे, आज जब सोनिया गांधी डॉ. मनमोहन सिंह के निधन को निजी क्षति बता रही हैं, तब जाने क्यों ये तस्वीर और ऐसे वो तमाम लेख सामने आ रहे हैं, जिसमें सोनिया गांधी के सुपर पीएम और डॉ मनमोहन सिंह के कठपुतली होने के बारे में लिखा होता था।

साल 2013 में मनमोहन सिंह सरकार ने सजायाफ्ता अपराधियों को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए एक अध्यादेश लाने का फैसला किया। यह अध्यादेश कैबिनेट से पारित हो चुका था। लेकिन राहुल गांधी ने इसे सरेआम बकवास कहकर सार्वजनिक स्थान पर फाड़ डाला था। राहुल के इस काम और बयान ने न केवल मनमोहन की सरकार को शर्मिंदा किया, बल्कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाई। कहा जाता है कि मनमोहन सिंह इस घटना से इतने आहत हुए कि उन्होंने इस्तीफा देने का मन बना लिया था, लेकिन अंततः उन्होंने पद पर बने रहकर देश की स्थिरता को प्राथमिकता दी। डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यकाल इस बात का प्रतीक बन गया कि किस तरह सत्ता का केंद्र कहीं और होता है और प्रधानमंत्री केवल एक प्रतीक बनकर रह जाता है। 10 साल तक देश का नेतृत्व करने वाले मनमोहन को उनके निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रखा गया। द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर और अन्य कई किताबों व संस्मरणों ने इस बात को उजागर किया कि 10 जनपथ (सोनिया गांधी का आवास) से मनमोहन सरकार को नियंत्रित किया जाता था।

आज कांग्रेस पार्टी मनमोहन सिंह को महानायक बता रही है। लेकिन इतिहास यह नहीं भूल सकता कि वही पार्टी, जिसने उन्हें प्रधानमंत्री बनाया, कई बार उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने का भी कारण बनी। इन कलंकों के बावजूद उन्होंने देश के विकास के लिए काम किया और कई महत्वपूर्ण नीतियां लागू करने में अहम भूमिका निभाई। मनमोहन सिंह के जीवन की इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि वे न केवल एक कुशल अर्थशास्त्री और समर्पित राजनेता थे, बल्कि अपमान सहने और देशहित में काम करते रहने की मिसाल भी थे। साल 2013 में राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे और सुर्खियां बटोरने के लिए काफी मचल रहे थे। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और अपनी ही सरकार द्वारा कैबिनेट से पारित एक अध्यादेश की कॉपी फाड़ने का हॉरर-शो प्रस्तुत किया। यह बिल तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह की कैबिनेट ने स्वीकृत किया था, लेकिन राहुल गांधी ने कंप्लीट नॉनसेंस कहा था।

राहुल गांधी की इस हरकत से मनमोहन सिंह खफा हो गए थे, तब उस समय के योजना आयोग के उपाध्यक्ष मोंटेक सिंह अहलूवालिया से पूछा क्या मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए? मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने अपनी किताब बैकस्टेज: द स्टोरी बिहाइंड इंडियाज हाई ग्रोथ इयर्स में खुद इसका खुलासा किया था। मनमोहन सिंह के सवाल पर अहलूवालिया ने जवाब दिया कि उन्हें नहीं लगता कि इस मुद्दे पर इस्तीफा देना उचित होगा।

आज कुछ ऐसे भी दल हैं जो कांग्रेस के साथ खड़े होकर डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रुदालियां गा रहे हैं, उन्होंने भी डॉ. मनमोहन सिंह का अपमान कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। साल 2012 में उद्धव ठाकरे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का मजाक उड़ाते हुए उन्हें मोम का पुतला कहा था। महंगाई के मुद्दे पर उन्होंने कहा था, पिछले 7-8 साल से हम देख रहे हैं कि उनमें और मोम के पुतले में ज्यादा फर्क नहीं है। एक साल बाद ही साल 2013 में उद्धव ठाकरे ने मनमोहन सिंह को हिजड़ा कहकर उनकी आलोचना की थी। साल 2017 में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था, मुझे नहीं लगता कि देश ने कभी इतना कमजोर प्रधानमंत्री देखा है। उन्होंने यह भी बयान दिया था कि मनमोहन सिंह को अपनी पार्टी (कांग्रेस) से भी सम्मान नहीं मिला।

नरसिम्हा राव...

2004 में उनके निधन के समय कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उनके पार्थिव शरीर को पार्टी मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए नहीं रखा गया। यहां तक कि उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में करने की अनुमति भी नहीं दी गई और उनके परिवार को मजबूरन उनका पार्थिव शरीर हैदराबाद ले जाना पड़ा।

डॉ. मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रहे डॉ. संजय बारू ने अपनी किताब द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में इस घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि नरसिम्हा राव को गांधी परिवार के प्रभाव से बाहर होने के कारण पार्टी में कभी स्वीकार नहीं किया गया। यह केवल नरसिम्हा राव या प्रणब मुखर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेताओं के साथ भी पार्टी ने ऐसा ही व्यवहार किया। शास्त्री जी, जो देश के दूसरे प्रधानमंत्री थे और जिनका जय जवान, जय किसान का नारा आज भी लोगों के दिलों में बसा है, को भी पार्टी के भीतर वह स्थान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के परिजन भी यह सवाल उठा रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके अंतिम संस्कार तक में उनका अपमान करने से बाज नहीं आई, उनके स्मारक के निर्माण की मांग करना तो दूर की बात रही।

कांग्रेस की राजनीति हमेशा से गांधी परिवार के प्रति वफादारी पर आधारित रही है। जिन नेताओं ने परिवार के प्रति अपनी निष्ठा नहीं दिखाई, उन्हें पार्टी के भीतर हाशिये पर डाल दिया गया। प्रणब मुखर्जी का उदाहरण इसका प्रमाण है। दशकों तक कांग्रेस में अपनी सेवाएं देने और देश के राष्ट्रपति पद तक पहुंचने के बावजूद उनके निधन पर पार्टी ने शोक सभा तक आयोजित नहीं की। यह विडंबना ही है कि जिस पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को उचित सम्मान नहीं दिया, वह आज डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक की मांग कर रही है।

भाजपा ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि यह विडंबना है कि जो पार्टी अपने ही नेताओं को उचित सम्मान नहीं दे सकी, वह अब स्मारकों की राजनीति कर रही है। केसवन ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी का इतिहास अपने गैर-वफादार नेताओं की उपेक्षा से भरा पड़ा है।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद जिस तरह से कांग्रेस ने स्मारक की मांग की, उससे यह सवाल उठता है कि क्या यह कदम वास्तव में उनके योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है या फिर एक राजनीतिक रणनीति? कांग्रेस का इतिहास यह दर्शाता है कि पार्टी ने हमेशा गांधी परिवार को प्राथमिकता दी है। जिन नेताओं ने गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा नहीं दिखाई, उन्हें या तो अनदेखा कर दिया गया या फिर पार्टी से बाहर कर दिया गया।

डॉ. मनमोहन सिंह, जिन्होंने देश के प्रधानमंत्री रहते हुए कई महत्वपूर्ण नीतियां बनाई और भारत को वैश्विक मंच पर स्थापित किया, का योगदान निस्संदेह प्रशंसनीय है। लेकिन उनके निधन के बाद स्मारक की मांग करने वाली पार्टी को यह भी सोचना चाहिए कि उसने अन्य नेताओं के साथ कैसा व्यवहार किया है। हालाँकि मोदी सरकार ने कहा है कि डॉ मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद उनका स्मारक बनाने के लिए जगह की पहचान की जाएगी, सरकार ने कभी नहीं कहा कि वो डॉ मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह नहीं देगी।

वैसे, यहां एक बात बताना जरूरी है कि साल 2013 में डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए ही कांग्रेस की सरकार ने एक नियम बनाया था कि राजघाट पर अब किसी पूर्व प्रधानमंत्री को जगह नहीं दी जाएगी और न ही नया स्मारक बनाया जाएगा। पीवी नरसिम्हा राव का उदाहरण सबसे प्रासंगिक है। आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले राव को कांग्रेस ने हमेशा हाशिये पर रखा। यह केवल उनके निधन के समय तक सीमित नहीं था, बल्कि उनके जीवनकाल में भी पार्टी ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। वहीं, मोदी सरकार ने नरसिम्हा राव का न सिर्फ स्मारक बनवाया, बल्कि उन्हें पूरा सम्मान भी दिया।

इसी तरह प्रणब मुखर्जी, जिन्होंने दशकों तक पार्टी की सेवा की और देश के वित्त मंत्री, विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए देश की नीतियों को आकार दिया, को भी गांधी परिवार के प्रति वफादारी न दिखाने के कारण अनदेखा किया गया। उनकी बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने यह आरोप लगाकर इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। कांग्रेस को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। पार्टी को यह समझना होगा कि केवल गांधी परिवार के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति लंबे समय तक उसे जिंदा नहीं रख सकती। डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक की मांग करना एक सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन इसे केवल दिखावे के लिए करना पार्टी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। क्योंकि देश की जनता अब जागरूक हो चुकी है और राजनीतिक पाखंड को समझने लगी है।

सैन्य कार्रवाई में ...

तालिबान ने इन हमलों को सही ठहराते हुए कहा कि यह उनकी रक्षा और अफगान विरोधी ताकतों को खत्म करने के लिए जरूरी था। तालिबान के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खोवाराज़मी ने साफ-साफ कहा, हम इसे पाकिस्तान का क्षेत्र नहीं मानते। यह हमारी सैन्य कार्रवाई का हिस्सा था। तालिबान डूरंड लाइन को काल्पनिक रेखा मानता है, जिसे 19वीं सदी में अंग्रेजों ने खींचा था। यह सीमा अफगानिस्तान और पाकिस्तान को अलग करती है, लेकिन तालिबान इसे कभी स्वीकार नहीं करता।

तालिबान ने कहा कि उनकी सैन्य कार्रवाई 26 दिसंबर को उनके इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से की गई बमबारी का जवाब है। अफगानिस्तान के अधिकारियों का दावा है कि सीमा के उस पार बने ठिकानों पर कार्रवाई जरूरी थी क्योंकि ये अफगान विरोधी ताकतों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे थे। पाकिस्तानी फ़ौज के इन हमलों में अफगानिस्तान के 46 लोगों की मौत हुई थी।

इन हमलों में अब तक 19 पाकिस्तानी फौजियों की मौत का दावा किया जा रहा है। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अभी आना बाकी हैं। तालिबान की इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। गौरतलब है कि डूरंड लाइन को लेकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच दशकों से विवाद जारी है। तालिबान इसे मानने से इंकार करता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। तालिबान का कहना है कि डूरंड लाइन के उस पार के क्षेत्र को वह पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानता। बहरहाल, यह हमला सीमा विवाद को और गहरा कर सकता है और अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

भाजपा ने कांग्रेस...

नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए सरकार उन्हें उचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिन्होंने देश के आर्थिक विकास के लिए एक प्रमुख नींव रखी। इसी के मद्देनजर कल कैबिनेट ने अपनी बैठक में फैसला किया कि मनमोहन सिंह की याद में एक स्मारक बनाया जाएगा और इस बात से कांग्रेस पार्टी को अवगत करा दिया गया।

उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताया कि सरकार ने एक स्मारक बनाने का फैसला किया है और भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि के हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद जितना समय लगेगा, वह उचित रूप से और जल्द से जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने अपने जीवनकाल में कभी डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं किया। आज उनके निधन के बाद राजनीति कर रही है। मैं देश को याद दिलाना चाहता हूं कि डॉ. मनमोहन सिंह नेहरू गांधी परिवार से बाहर देश के पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 10 साल तक पीएम का पद संभाला था। कम से कम आज दुख की इस घड़ी में राजनीति से बचना चाहिए। जहां तक हमारी सरकार का सवाल है, पीएम मोदी की सरकार ने दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर सभी नेताओं को सम्मान दिया है।

जेड प्लस सुरक्षा...

जानबूझकर और राजनीतिक कारणों से एसपीजी सुरक्षा वापस ली गई है। जबकि केंद्र सरकार ने कहा था, खतरा कम या ज्यादा होने से सुरक्षा की श्रेणी तय होती है, न कि व्यक्ति विशेष को देखकर उसका निर्धारण किया जाता है। जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, इंद्र कुमार गुजराल, पीवी नरसिम्हा राव और डॉ. मनमोहन सिंह की एसपीजी सुरक्षा वापस ली गई तो इनमें से किसी ने भी ऐतराज नहीं जताया था। पूर्व प्रधानमंत्रियों के अलावा इनकी पार्टी की ओर से भी विरोध की आवाज नहीं सुनाई पड़ी।

वर्ष 2004 से लेकर 2013 तक गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा पर करीब 18 सौ करोड़ रुपए खर्च हुए थे। 2019 में एसपीजी संशोधन विधेयक पारित हुआ था। तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि वे जो संशोधन लेकर आए हैं, उसके तहत एसपीजी सुरक्षा सिर्फ प्रधानमंत्री और उनके साथ आवास में रहने वालों के लिए ही होगी। सरकार द्वारा आवंटित आवास पर रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री और उनके परिवार को भी 5 साल की अवधि तक एसपीजी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब डॉ. मनमोहन सिंह की सुरक्षा बदली गई, तब भी किसी ने हल्ला नहीं किया। चिंता करने के दो मापदंड आखिर क्यों। गांधी परिवार की सुरक्षा हटाई नहीं गई है, बल्कि उसे बदला गया है। अब उन्हें सीआरपीएफ की जेड प्लस सुरक्षा, एएसएल और एम्बुलेंस के साथ दी गई है। एसपीजी का गठन 1985 में बनी एक कमेटी के आधार पर हुआ था। 1985-88 तक एसपीजी एक अधिशासी आदेश के तहत काम करती रही। 1988 में एसपीजी के लिए एक कानून बनाया गया। इसके बाद साल 1991, 94, 99 और 2003 में एसपीजी सुरक्षा एक्ट में संशोधन किया गया।

लश्कर आतंकी...

हमला और 2018 में गुरेज हमले में उसकी संलिप्तता पाई गई थी। इन हमलों में सैकड़ों निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई। मक्की लश्कर-ए-तैयबा और उसकी राजनीतिक शाखा जमात-उद-दावा का प्रमुख सदस्य था। वह भारत में आतंक फैलाने के लिए युवाओं को बरगलाकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करता था। जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग, हमलों की योजना और युवाओं की भर्ती में उसकी अहम भूमिका थी।

अब्दुल रहमान मक्की आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद का चचेरा भाई और सगा बहनोई था। यह रिश्ता उसे संगठन में ऊपरी जगह दिलाने में सहायक रहा। अमेरिका और भारत ने उसे मोस्ट वांटेड आतंकवादी घोषित किया था। 2023 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया था। इसके तहत उसकी संपत्तियां जब्त कर ली गईं, यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया, और हथियारों की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी गई। इससे पहले चीन ने इस प्रस्ताव पर तकनीकी रोक लगाई थी, लेकिन वैश्विक दबाव के कारण उसे यह रोक हटानी पड़ी।

मक्की की सबसे बड़ी करतूतों में शामिल था 2000 का लाल किला हमला, जिसमें तीन लोग मारे गए थे। इसके अलावा, 26/11 मुंबई हमले में उसकी भूमिका ने उसे भारत के इतिहास में सबसे बड़े दुश्मनों में शुमार कर दिया। इस हमले में 175 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। मक्की की मौत भले ही राहत की बात हो, लेकिन यह भी याद रखना जरूरी है कि पाकिस्तान में आतंकी संगठनों का नेटवर्क आज भी सक्रिय है। मक्की जैसे आतंकियों की जगह लेने वाले और भी लोग हो सकते हैं। भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

बलात्कार के बाद...

नामों का खुलासा अवश्य कर दिया था। उन्होंने बयान में बताया कि राजीबुर, उस्मान समेत अन्य ने उनके साथ बलात्कार किया और उन्हें जहर दिया।

मृतक महिला की बेटी ने आरोप लगाया है कि उसकी मां की हत्या करने से पहले मुस्लिम कट्टरपंथियों ने उन्हें खूब प्रताड़ित किया।

बहरहाल, इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद की सरकार के तख्तापलट के बाद से इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी बीएनपी सत्ता में आई। उसके साथ सहयोगी के तौर पर जेहादी संगठन जमात ए इस्लामी भी सामने आया। जमात ए इस्लामी खुलेआम हिंदुओं के हत्या की बात करता है। सरकार के समर्थन के कारण कट्टरपंथी बेखौफ होकर हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नम:

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विश्व जागृति मिशन, हैदराबादा मंडल के तत्वावधान में पब्लिक गार्डन स्थित ललित कला तोरणम में शनिवार को चार दिवसीय विराट भक्ति सत्संग के तीसरे दिन संत सुधांधु जी महाराज ने कहा कि पावन गुरुसत्ता व्यक्ति के भीतर की शर्म को जगाती है और झुकना व झुकाना सिखाती है। उन्होंने यह भी कहा कि अपने घर में प्रवेश करते समय एक बार श्रद्धा भाव से दृष्टि डालें, परमात्मा की मेहर निश्चित होगी। प्रेम और श्रद्धा से गुरु कृपा मिलती है। शान्ति में जीवन आसानी से बीत जाती है

और अशांति में व्यक्ति बेचैन होता है इसलिए शान्ति ही आपका मूल रूप है।

आयोजन में विश्व जागृति मिशन, हैदराबाद मंडल के प्रमुख तथा पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड, मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, बंकटलाल गिल्डा, कैलाशनारायन भांगडीया, नरेश बब्बानी, जसमत भाई पटेल, सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर, सुमेरसींह राठौर, सुखदेव जोशी, रामनिवास जोशी, डी.गोपाल, राजकुमार दायमा, डॉ.सवरूपानंद नायक ,राजू भागचंदानी, शिवराज पाटिल, मानमल सैन, प्रकाश देवकर, भरत सुत्रवे,सनातन, गोरखनाथ भोसले, कैलाश खेमलानी, सुरेश बिरादर, प्रदीप लेले, जी. ओमप्रकाश, श्यामराव बागाडे, सुनील गोस्वामी, जे.भिक्षापती, भाग्यनारायण, रामचंदर राव, श्रीमती आसमान कंवर राठौर, कांता अग्रवाल, शिबानी मैथी, कालींदी चिंतावार, इंद्रानी भोपे, ममता ठाकुर, बबीता नागरे, नागेश्वरी, मंजु अग्रवाल सरोज अग्रवाल, वंदना श्रीवास्तव, एम. शांती, शोभा भोसले,राणी देवकर, स्मीता दायमा, कांता बिरादर, कविता दायमा व अन्य ने योगदान प्रदान किया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अल्पहार सेवा की गई

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को हरचंद्रराय कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्प-ाहार की सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), सुशील गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, मायारामजी अग्रवाल संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सुरेश सिंघल गोविंद अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मनीष फिटकारीवाला, सोनू फिटकारीवाली, कीर्ति गोयल, अवतार गोयल ख्याति अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अन्नदान आयोजित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का अन्नदान कार्यक्रम सरकारी ईएनटी हॉस्पिटल कोठी में आयोजित किया गया ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट के मासिक अन्नदान कार्यक्रम में क़रीब 400 से ज़्यादा व्यक्तियों में सेवा की गई। उक्त अन्नदान में अस्पताल में रहने वाले मरीज़ों के सहायक एवं हॉस्पिटल के स्टाफ की सेवा की गई । अन्नदान में वीजिटेबल पुलाव, पूरी, सब्ज़ी, छांच, जलेबी, जल, केला आदि परोसा गया । अन्नदान के पश्चात हॉस्पिटल में उपस्थित मरीजों में 50 ब्लैंकेट वितरित किए गए। जिसके प्रायोजक गोविंद अग्रवाल, सीमा अग्रवाल एवं सुनीता अग्रवाल थे । इस अवसर पर विनय किशोर तायल, मुकुंद लाल अग्रवाल, गोवर्धन अग्रवाल, गोविंद लाल अग्रवाल, अशोक कुमार तायल, शारदा अग्रवाल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, सीमा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संतोष गोयल, मधु गोयल, सपना तुलसियान, मंजू अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, उमा तायल, रेखा तुल्सीयान, प्रीति अग्रवाल आदि उपस्थित थे । ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी विनय किशोर तायल एवं एडवोकेट हेमा मालिनी तायल ने उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया ।

सांसद नरेश बंसल से शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राज्यसभा सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश बंसल और उनके सुपुत्र सिद्दार्थ बंसल से देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान और श्री दक्षणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने मैरियट होटल में शिष्टाचार मुलाकात कर श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंदिर निर्माण की विस्तृत और अन्य जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर देवभूमि उत्त-ाराखंड सेवा संस्थान के अध्यक्ष जयपाल सिंह नयाल, सचिव बलवीर सिंह रावत, संस्थापक सदस्य और केदारनाथ ट्रस्ट की जनसंपर्क अधिकारी सुभाष चंद्र पेटवाल और आरोहीरावत, ट्रस्टी योगेश सिंह, मनोज प्रभाकर पैनोली, महिला सदस्याए पुष्पा बद्री, रमा पेटवाल, माहेश्वरी बिष्ट, कमल पंथ और उपस्थित थे।

चार्टर्ड अकाउटेंट्स की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर हैदराबाद के हेरम्ब धूत (माहेश्वरी) का सम्मान करते हुए समाज सेवी अरुण डाकोतिया, भाजपा नेता अविनाश देवड़ा, नितिन नंदकर एवं गोपाल वोकड़े ।

स्नेहा सुगंध लेडीज क्लब की नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्नेहा सुगंध लेडीज क्लब की अध्यक्ष आशा गुप्ता के निवास स्थान पर क्लब की वार्षिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्रीमती प्रभा दुग्गड़ ने बताया कि एक वर्ष का कार्यकाल समाप्त कर अध्यक्ष आशा गुप्ता ने अपना पद्भार आने वाली कार्य समिति को सौंपा ।

सर्वप्रथम अध्यक्ष आशा गुप्ता ने सभी का स्वागत किया और वर्ष भर साथ निभाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपनी पूरी टीम के साथ-साथ सभी सहयोग देने वाले सदस्यों का एवं अपने परिवार का भी आभार माना । सचिव नीता पटेल ने वर्ष भर में किए गए कार्यक्रमों को सविस्तार वीडियो द्वारा बताया । कोषाध्यक्ष संगीता सिंघवी ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया ।

तत्पश्चात आशा गुप्ता ने नव निर्वाचित अध्यक्ष नीता पटेल को बैच लगाकर अध्यक्ष पद से सुशोभित किया। वर्ष 2025 के लिए नीता पटेल ने सभी का धन्यवाद करते हुए अपनी नई कार्य समिति की घोषणा की।

अध्यक्ष नीता पटेल, सचिव संगीता सिंघवी, कोषाध्यक्ष अंजू बाफना, सलाहकार संगीता छल्लानी एवं आशा केडिया, निवर्तमान अध्यक्ष आशा गुप्ता तथा कार्यकारिणी सदस्यों में रेनू बंसल, सुधा सुराणा, करुणा अग्रवाल, उमा डालमिया और पुष्पा टिंबरेवाल को शामिल किया गया ।सभी ने नई टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की। दिसंबर महीने में आने वाले जन्मदिन और शादी की सालगिरह की बधाइयां देते हुए चॉकलेट दी गई । इस वर्ष नए चार मेंबर पिंकी अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, सीता अग्रवाल एवं माधवी बंसल को क्लब में सम्मिलित किया गया। सभी नए सदस्यों का परिचय देते हुए उन्हें बैच पहनाया गया तथा सब का साथ स्नेह की सुगंध का विकास का नारा दोहराया ।

कार्यक्रम का कुशल और मधुर संचालन मंजू शर्मा ने किया । अध्यक्ष नीता पटेल ने पदभार ग्रहण कर सभी का स्वागत एवं धन्यवाद करते हुए सबसे पूरे वर्ष भर सहयोग की अपील की। अंत में सभी ने बचपन की याद ताजा करने के साथ-साथ लजीज भोजन का आनंद उठाया।

श्रीलाल शुक्ल स्मारक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 31को

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंडित श्रीलाल शुक्ल स्मारक राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति भाग्यनगर एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता, प्रसिद्ध व्यंग्यकार पद्मभूषण पं. श्रीलाल शुक्ल पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 31 दिसंबर को दोपहर 3.00 बजे से हिंदी प्रचार सभा नामपल्ली, सभागार में आयोजित की जाएगी। पंडित श्रीलाल शुक्ल की रचनाओं की विशेषज्ञ एवं कार्यक्रम की संयोजिका डॉ सीमा मिश्रा की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर 'चुनावी लोकतंत्र और श्रीलाल शुक्ल का साहित्य' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष रूप में श्रीराम तिवारी (आईपीएस सेनि) आंध्र प्रदेश सरकार और प्रसिद्ध साहित्यकार प्रो ऋषभदेव शर्मा भाग लेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में अनिल कुमार वाजपेई पुलिस अधीक्षक (सेनि), गुप्तचर विभाग, तेलंगाना एवं डॉ बी बालाजी, प्रबंधक, हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार, मिश्र धातु निगम (मिधानि) लि. उपस्थित रहेंगे।

श्रीलक्ष्मी नृसिंह मंदिर में श्री गोदा रंगनाथ सगाई उत्सव आज

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सुल्तान बाजार स्थित श्री लक्ष्मी-नृसिह मंदिर में जारी धनुर्मास महोत्सव के अंतर्गत श्री गोदा-रंगनाथ जी का सगाई उत्सव रविवार दि. 29 दिसंबर को प्रातः 8.00 बजे से मनाया जाएगा। मानव झांकियों के साथ नृत्य, गरबा, गायन प्रस्तुत किया जाएगा। इस आशय की जानकारी मंदिर ट्रस्ट द्वारा दी गई है।नित्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वामी जी श्री धराचार्य द्वारा धनुर्मास कथा प्रबंध पाठ, स्तोत्र अर्चना आरती एवं गोष्ठी, प्रसाद का वितरण किया जाता है। सभी भक्तों को इस उत्सव में पधारने का आग्रह किया गा।

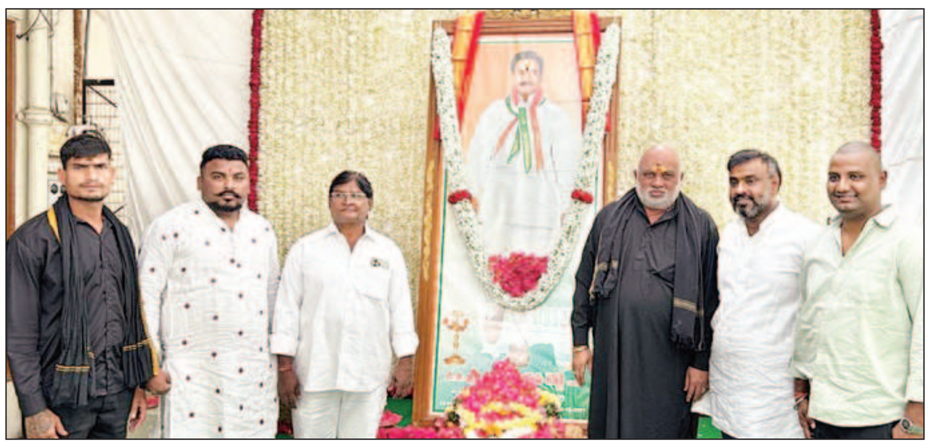

पी. जनार्दन रेड्डी की पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय सफ़ाई मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष पी. राजेश वाल्मिकी और पी. विष्णु वर्धन रेड्डी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाराष्ट्र सरकार के जैन माइनॉरिटी इकानॉमिक डेवलपमेंट कारपोरेशन के चेयरमैन (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) ललित एस. गाँधी के राजस्थान जालोर जिला के नून गांव पधारने पर स्वागत करते हुए भाजपा तेलंगाना प्रवासी प्रकोष्ठ के सह संयोजक भबुतसिंह राजपुरोहित, वीरचंद जैन एवं अन्य।

पंजाब पुलिस पर जासूसी का आरोप : संदीप दीक्षित की शिकायत के बाद

दिल्ली के एलजी ने पुलिस कमिश्नर को दिए जांच के आदेश, मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने बीते दिनों पंजाब पुलिस पर जासूसी का आरोप लगाया था। इसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को निगरानी संबंधी आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं।

पंजाब के खुफिया अधिकारियों की मौजूदगी के आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय ने पुलिस आयुक्त को मामले की जांच करने और तीन दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

संदीप दीक्षित ने पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों पर बार-बार उनके आवास पर आने और उनके घर के बाहर अपने वाहन पार्क करने का आरोप लगाया है।एलजी कार्यालय ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, यह पूर्व सांसद संदीप दीक्षित से संबंधित विषय है। उन्होंने पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों द्वारा कथित तौर पर उनके आवास पर आने और उनके घर के बाहर

अपने वाहन पार्क करने के बारे में गंभीर चिंता जताई है।दीक्षित ने दावा किया कि ये कार्रवाइयां आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर की जा रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यह उन्हें डराने और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने से हतोत्साहित करने का प्रयास हो सकता है। मामले का संज्ञान लेते हुए उपराज्यपाल ने विशेष रूप से आगामी चुनावों के मद्देनजर निष्पक्ष लोकतांत्रिक माहौल सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया।

विज्ञप्ति में कहा गया है, माननीय उपराज्यपाल ने आरोपों की गंभीरता पर गौर किया है। विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह आवश्यक है कि संभावित उम्मीदवारों को किसी भी तरह की धमकी या दबाव का सामना न करना पड़े, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी में बाधा उत्पन्न हो।

उपराज्यपाल ने पुलिस आयुक्त को आरोपों की गहन जांच करने और तीन दिन के भीतर उनके कार्यालय को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस पार्टी ने संदीप दीक्षित को नई दिल्ली सीट से आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मैदान में उतारा गया है। उन्होंने गुरुवार को दिल्ली के एलजी सक्सेना से मुलाकात की थी।

कांग्रेस नेता ने दिल्ली के उपराज्यपाल से ममहिला सम्मान योजनाफ की मधोखाधड़ीफ को लेकर आप नेता अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने का आदेश देने की भी अपील की थी।महिला सम्मान योजना पर अपने पत्र में एलजी सचिवालय ने संभागीय आयुक्त से इस बात की जांच करने को कहा है कि किस तरह गैर-सरकारी व्यक्ति व्यक्तिगत डेटा एकत्र कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पुलिस आयुक्त को लाभ देने की आड़ में गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।अपनी शिकायत में दीक्षित ने विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब से दिल्ली में नकदी की आवाजाही का भी आरोप लगाया है। इसके बाद एलजी ने मुख्य सचिव को मामले की जानकारी दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी को देने को कहा है। पुलिस आयुक्त को पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में पुलिस अधिकारियों को गैरकानूनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सतर्क करने का निर्देश दिया गया है।

फर्जी दस्तावेजों पर बने बांग्लादेशियों के भारतीय पासपोर्ट

कोलकाता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने खुलासा किया है कि 73 भारतीय पासपोर्ट फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को जारी किए गए। इस गंभीर मामले की जांच के लिए पुलिस ने पासपोर्ट अधिकारियों के साथ बैठक की। बारासात नगरपालिका, बनगांव नगरपालिका और दत्तपुकुर के कदमबगाछी ग्राम पंचायत से उन पते की जानकारी मांगी गई जो इन दस्तावेजों में दिए गए थे। सभी ने स्पष्ट किया कि ऐसे पते मौजूद ही नहीं हैं।

फर्जी पासपोर्ट बनवाने के लिए पश्चिम बंगाल बोर्ड की मार्कशीट, प्रवेश पत्र, पैन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। पुलिस कमिश्नर

गिरोह के 11 सदस्य गिरफ्तार

मनोज वर्मा ने बताया कि पासपोर्ट प्रक्रिया में खामियों पर चर्चा की गई और पुलिस अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

फर्जी पासपोर्ट केस में विशेष जांच दल ने 5 अपराधियों के साथ ही दत्तापुकुर से मोख्तार आलम को भी पकड़ा, जिसे पहले भी 2021 में इसी तरह के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा पुलिस ने हाल ही में पासपोर्ट रैकेट चलाने और फर्जी दस्तावेज बेचने के आरोप में पांच अन्य को भी गिरफ्तार किया है। इस तरह इस केस में अब तक 11 की गिरफ्तारी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि फर्जी पासपोर्ट और दस्तावेजों को 2 से 5 लाख रुपए में बेचा जा रहा था।

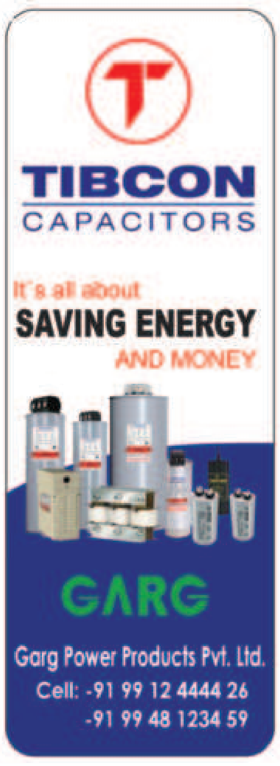

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,700/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 89,680/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 18^0

भारत और भारतीय महिलाओं के खिलाफ बोलने पर कार्रवाई

एएमयू से निकाले गए तीन बांग्लादेशी छात्र

अलीगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने वाले तीन बांग्लादेशी छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इनमें से दो छात्रों, महमूद हसन और समीउल इस्लाम को यूनिवर्सिटी से डिबार (बैन) कर दिया गया है, जबकि एक और छात्र मोहम्मद आरिफ रहमान रिफत को नोटिस जारी किया गया है। रिफत को भी विवि से निष्कासित किए जाने की तैयारी है।

इन छात्रों पर आरोप था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर भारत और महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट किए थे। शिकायत मिलने के बाद एएमयू प्रशासन ने जांच की और पोस्ट्स को गलत पाया। प्रॉक्टर प्रोफेसर वसीम अली ने बताया कि दो छात्र पहले ही यूनिवर्सिटी से पास आउट हो चुके थे, जबकि तीसरा छात्र बीए का विद्यार्थी है और उसे शो कॉज नोटिस दिया गया था।

शिकायतकर्ता अखिल कौशल ने बताया कि उन्होंने 10 दिसंबर को इन छात्रों के खिलाफ सबूतों के साथ शिकायत की थी, और 23 दिसंबर को धरना देने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। एएमयू प्रशासन ने साफ किया कि विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता पर कोई भी लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

पूरी संजौली मस्जिद है अवैध, वक्फ नहीं सरकार की है जमीन

शिमला, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली में बनी मस्जिद की तीन मंजिल नहीं बल्कि यह पूरी ही अवैध है। इसकी जमीन का मालिकाना हक़ वक्फ बोर्ड के पास ना होकर सरकार के पास है। यह दावा मस्जिद में निर्माण के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली देवभूमि संघर्ष समिति ने किया है।समिति ने कहा है कि अब तक जमीन का रिकॉर्ड सरकार के ही नाम है और अब इसे छेड़छाड़ किया जा सकता है। इससे पहले नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से जमीन के मालिकाना हक़ के कागज दिखाने को कहा है, वक्फ बोर्ड ने इसके लिए समय मांगा है। इसी के चलते समिति ने आशंका जाहिर की है। गौरतलब है कि संजौली मस्जिद की ऊपर की तीन मंजिले गिराने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। इन्हें तोड़ने पर काम चल रहा है। अब कोर्ट में सुनवाई बाकी की दो मंजिलों पर सुनवाई चल रही है।

कविवर अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर 45वां राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व प्रधानमंत्री, भारतरत्न, कविवर श्री अटल बिहारी वाजपेयी के 100वें जन्म-दिवस पर स्मृति-शेष जी.राजेंद्र कुमार द्वारा स्थापित 45वें राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन का आयोजन नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में गोशामहल स्थित हज़ारी भवन, हैदराबाद में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन का भार सँभाला और गीत चाँदनी तथा राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की विशेषताओं के बारे में सभी को अवगत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कन्नड़ भाषी कवयित्री श्रीमती विजय लक्ष्मी बस्वा ने अपनी मधुर वाणी में स्वरचित सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में कविवर अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया और उनकी चुनी हुई कविताओं का पाठ किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में गोशामहल के पार्षद और सक्रिय समाज सेवी श्री लाल सिंह, भाजपा के सक्रिय नेता और आईसीएआर मेंबर गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया के श्री डी. गोपाल जी, वरिष्ठ कवि श्री अंजनी कुमार गोयल बतौर विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। मुख्य वक्ता कर्मचारी राज्य जीवन बीमा निगम के सेवा-निवृत्त वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री ठाकुर दिनेश सिंह ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की देश के लिए की गयी सेवाओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी सिर्फ एक शीर्ष राजनेता ही नहीं थे बल्कि एक सहृदय कवि भी थे। उन्हें कवता विरासत में मिली थी। उन्होंने प्रायः छंदबद्ध कविताएँ ही लिखीं। वे यदि राजनीति में न होते तो उच्च कोटि के कवि होते। फिर भी उन्होंने राजनीति और साहित्य सृजन में संतुलन बनाये रखा। उनका यह साहित्यिक गुण हमें उनके लेखों और भाषणों में भी मिलता है, जिसके कारण उनके भाषण सरस और आकर्षक हुआ करते थे। उनकी कविताओं में स्वयं की अनुभूतियों के अतिरिक्त राष्ट्रीयता और राष्ट्र प्रेम की भावनाएँ भी प्रचुर मात्रा में मिलती है।

कवि अनिल कुमार गुप्ता ने अटल बिहारी वाजपेयी के गीतों को अपनी मधुर वाणी में प्रस्तुत कर श्रोताओं से ख़ूब प्रशंसा अर्जित की।

मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री अमृत कुमार जैन ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की और कहा कि यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है कि गीत चाँदनी के सक्रिय कवि और भाजपा के नेतागण प्रतिवर्ष कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। कविवर अटल बिहारी वाजपेयी बहुत ही सरल व्यक्तित्व के धनी थे, उन्होंने देश के लिए अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की हैं जिसे हम कभी भूल नहीं सकते।

विशेष अतिथि श्री डी. गोपाल जी ने श्री अटल बिहारी जी की अनेक महत्वपूर्ण सेवाओं को बताते हुए कहा कि उन्होंने सड़कों को गाँव-गाँव से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। जी. राजेंद्र कुमार मेरे गुरु थे। श्री अटल जी देश का गौरव बढ़ाने के लिए पोखरण जैसे परीक्षण किये। कविता के कारण कवि बहुत आगे की सोचता है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया उसी के सामने झुकती है जो शक्तिशाली होता है। कविवर अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा कि बाधाएँ आयेंगी, जाएँगी लेकिन देश को आगे बढ़ना चाहिए।

विशेष अतिथि कवि अंजनी कुमार गोयल ने कहा कि गीत चाँदनी के कवि सम्मेलन में सक्रियता के साथ आयोजित होते आ रहे हैं, इससे नये कवियों को मंच मिल रहा है। अटल जी का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक है। वास्तव में अटल बिहारी वाजपेयी मानवता के बड़े पुजारी थे और उनकी कविताओं में अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने का आह्वान और विश्व में शांति की भावना का संदेश मिलता है।विशेष अतिथि और गोशामहल भाजपा के पार्षद श्री लाल सिंह ने कहा कि स्मृति-शेष जी. राजेंद्र कुमार ने जिस देशभक्ति भावना से अटल जी के जन्मदिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन करना आरंभ किया तब से ही हमारी भावनाएँ उनके साथ जुड़ी हुई हैं। आज भी नियमित रूप से 100वें अटल जी के जन्म दिवस पर 45वें राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है।

कवि सम्मेलन के अध्यक्ष व गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कहा कि कविवर अटल बिहारी वाजपेयी भारत माता के सच्चे सपूत थे। कार्यक्रम में उनके बारे में वक्ताओं और कवियों द्वारा प्रस्तुत विचार सुनकर बहुत प्रसन्नता हुई। अटल जी देश के ऐसे कवि हैं, जिन्होंने संपूर्ण जीवन हिंदी में काव्य लेखन किया। वक्ताओं और कवियों ने अपने विचारों और कविताओं से उन्हें पुष्पांजलि दी है। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका और गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा श्रीमती रत्नकला मिश्र और सह-कोषाध्यक्ष श्री ठाकुर दिनेश सिंह अध्यक्ष चंपालाल बैद, कार्यदर्शी श्री गोविंद अक्षय तथा गीत चाँदनी के अन्य पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी विशेष भूमिका का निर्वाह किया।

इस अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन में कवियों ने देश की वर्तमान परिस्थितियों तथा अनेक समस्याओं पर अपने गीत, ग़ज़ल, मुक्तक, नयी कविताओं के पाठ के साथ-साथ, वीर रस प्रधान कविताएँ, हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को जहाँ सोचने पर मजबूर किया वहीं ख़ूब हँसाया भी। अंत में कवयित्री व संयोजिका रत्नकला मिश्र ने सभी के प्रति धन्यवाद प्रस्तुत किया।

गौरक्षादल ने 26 गोवंश को कटने बचाया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाई जा रही गोवंश को गौ रक्षा दल तेलंगाना, हिंदू वाहिनी, बजरंग दल और हिंदू तख्त के कार्यकर्ताओं ने गाय बचाओ के विशेष अभियान के तहत कटने से बचा लिया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में गौ रक्षा दल के महासचिव एवं टीडीपी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने बताया कि गौरक्षकों ने पहली गाड़ी टीएस 08 यूबी 3996 में 13 गोवंश को महेश्वरम पुलिस की सहायता से तथा दूसरी गाड़ी एपी 39 टीटी 1267 में मौजूद 13 गोवंश को अब्दुल्लापुरमेट पुलिस की सहायता से छुड़ाया। इन गाड़ियों में कुल 26 गोवंश को पुलिस की सहायता से कटने से बचाकर उनको जीवन दान दिया। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुडा एवं पठानगिरी गौशाला अब्दुल्लापुरमेट में छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि गौरक्षके इस महाभियान एवं गोवंश को जीवन दान देने वालों मेंसंरक्षक कोटी श्रीधर, गौरक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार, बीजेवाईएम युवा मोर्चा मेडचल प्रेसिडेंट पवन रेड्डी, बीजेपी तुक्कुगुडा काउंसलर यादगिरी अन्ना, टाउन कन्वीनर नामले नवीन,डॉ.इरम पुराणम शांति गुप्ता, उमा देवी धनखड़ , रवि नंद्रेकर, गौ रक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, मोगली विजय गोस्वामी ,मनीष, अजय, मिनी छोटू, लोकेश ,मोहन बंटी मोहन यादव, सरवन रेड्डी, बोटू पवन, चंदू, कोटी मयूरेश, सोनू सिंह बिड़ला, प्रशांत, सचिन, सतीश सिंह, चिंटू, सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे।

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that, my client, agreed to acquire All that the part and Parcel of the **Semi-Finished Flat No. 103, in 1st Floor west facing** with a Plinth area of 1150 Sft., (Including common area and One Car Parking) along with **Undivided share of Land admeasuring 42.5 Sq. Yards., or 35.53 Sq.Mts.,** (out of 850.0 Sq.Yds..) in the building named as **"K.K's VENKATA SARASWATHI HEIGHTS" in Survey Nos. 91/Part, 92, 93, 152/Part, 159, 160, 161, 162, 163/Part, 164, 165, 167, 168/1, 168/2, 169, 170 & 171, IN "NJR & KLR NAGAR"** in the Loy-out Permit No. 07/MP2/ LO/HMDA/2014, Dt: 28-04-2014, issued by the HMDA, Situated at Medchal Village and Municipality, Medchal Mandal, **Medchal-Malkajgiri District**, T.S., and **bounded by: NORTH:** PLOT NO. 955/PART, **SOUTH**: 40-0" WIDE ROAD, **EAST**: PLOT NOS. 954 & 956, **WEST**: 40-0" WIDE ROAD, from **SRI. SUNIL KUMAR KOTHWWAL S/o. SRI. KOTHAWAL DAMODAR**, aged about 37 years, Occupation:Pvt. Employee, R/o. H.No. 8-3-352/3, Second Bazar, Secunderabad, Telangana State-500003, Pan No. BBAPK5099K, Aadhaar No. 3844 4427 3288, Cell No. 9885413193. & SMT. VATSALYA WAGHRAY D/o. JITENDER KISHAN WAGHRAY, aged about 36 years, Oc- cupation: Pvt. Employee, R/o. H.No. 16-11-310/15, Saleem Nagar, Malakpet, Opp: TV Tower, Hyderabad, T.S-500036. Pan No. ACCPW1723C, Aadhaar No. 3330 8997 2564.. Any person(s) having any objection(s), charge, claim, lien over the said property shall approach the under signed office within Three (3) days from the date of this publication. No objection, claim will be considered after the specified period and registration as per law will be procured.

Sd/- S.K. AGARWAL,
Advocate.
#1-2-298, Amarnath Kunj, Street No.7, Domalguda, Hyderabad-500029
PH.No. 9246507622.

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I. Service No. 14657862L, Rank: HAV, Name: KAMBLE SURESH MAHADEV S/o. MAHADEV SHIVAJI KAMBLE, Unit: 189 Fd Coy, WKSP (7004 EME Bn), residing at Vill: SALASHI, PO: SALASHI, Teh: SHAHUWADI, Dist: KOLHAPUR, State: MAHARASHTRA, Pin: 416213, I have Changed my Son's Name from **PRAJYOT** to **PRAJYOT SURESH KAMBLE**, and his date of birth is 18-12-2010, Affidavit signed by Advocate and Notary G Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME

I, PUJA is legally Wedded Wife of Service No. 14653574F, Rank: NK, Name: B. MURALI KRISHNA, Unit: MCEME (CTW), SECUNDERABAD, residing at Vill: BAXI PALLI, PO: BAXI PALLI, Teh: BRAHMA PUR, Dist: GANJAM, State: ODISHA, Pin: 761002,I have Changed my name from **PUJA** to **BOIRI POOJA**, my date of birth is 09-10-1988, Affidavit signed by Advocat And Notary G Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME & DOB

I, Manthri Chandramma R/O : Vill – Rebaka, Distt – Anakapalli, (AP) – 531001 have changed my name from **MANTHRI CHANDRAMMA** to **MANTRI CHANDRAMMA** and Date of Birth from **11.06.1976** to **01.01.1975** vide affidavit dt 27 Dec 2024 duly sd. by P. RAVEENDRANATH, ADV & NOTARY.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Manthri Prakash Rao, R/O : Vill – Rebaka, Distt - Anakapalli (AP) – 531001 have changed my name from **MANTHRI PRAKASH RAO** to **MANTRI PRAKASH RAO** and Date of Birth from **21.07.1965** to **01.01.1964** vide affidavit dt 27 Dec 2024 duly sd. by P. RAVEENDRANATH, ADV & NOTARY.

CHANGE OF NAME & DOB

I, PINNINTI CHINNAMMA Mother of Service No. 16118470L L/Nk PINNINTI RAJU, R/o. H.No.3-3-97, Vill:Jayaramachandrapuram, Po:Kasibugga, Teh:Palasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532222 have changed my name and DOB from **P CHINNAMMA**, DOB:**01-07-1967** to **PINNINTI CHINNAMMA**, DOB:**01-01-1973** vide Affidavit dt:28-12-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF DOB

I, PINNINTI NARAYANA Father of 16118470L L/Nk PINNINTI RAJU, R/o. H.No.3-3-97, Vill:Jayaramachandrapuram, Po:Kasibugga, Teh:Palasa, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532222 have changed my Date of Birth from **01-07-1962** to **01-01-1963** vide Affidavit dt:28-12-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, S. PRIYA spouse of No- JC-294060P, Rank NB SUB, Name-TK SUDHAKAR, R/O Vill & PO- Thuthipet, Teh & Dist - Vellore, Tamil Nadu, PIN- 6322011. I have to change my Name from - **S. PRIYA** to **PRIYA SUDHAKAR** for all purpose vide affidavit dated: 27/12/2024.

CHANGE OF NAME

I, SANJEEVANI Spouse of Service No. 16115529P Hav PARASHARAM PATIL , R/o.DoddHosur, Po:Lokoli, Tal:Khanapur, District: Belgaum, Karnataka-591302 have changed my name from **SANJEEVANI** to **SANJEEVANI PATIL** vide affidavit dt:28-12-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

DAILY खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना, पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डीओर पुरस्कार की आलोचना कहा - विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

दुबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डीओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।

इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डीओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।

बैलन डीओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार भी दिया गया। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का पुरस्कार भी दिया गया।

ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डीओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डीओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया।

पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं। यही कारण है कि मुझे ग्लोब सॉकर अवार्ड्स पसंद हैं, वे ईमानदार हैं। पिछले सीजन में रियल मैड्रिड के लिए ब्राजील के विंगर ने अटैकिंग फ्रंट पर मार्गदर्शन किया था। उन्होंने रियल मैड्रिड को यूईएफए चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने में मदद की। वह सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल के साथ रियल मैड्रिड के लिए शीर्ष स्कोरर थे। हालांकि, ब्राजील के साथ उनका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा जैसा उन्होंने उम्मीद की थी। विनीसियस ब्राजील की उस टीम का हिस्सा थे जो उरुग्वे के खिलाफ क्वार्टर फाइनल चरण में कोपा अमेरिका से बाहर हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

संतोष ट्रॉफी : सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज से, मणिपुर से भिड़ेगा केरल

हैदराबाद। 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल की लाइन-अप पूरी हो गई है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद केरल, सर्विसेज, पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार, को सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज के साथ दोपहर ढाई बजे और उसके बाद शाम साढे सात बजे केरल का सामना मणिपुर से होगा। शुक्रवार को खेले गए पिछले दो क्वार्टर फाइनल में, फुटबॉल की दिग्गज टीम केरल ने जम्मू और कश्मीर के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए 1-0 से जीत हासिल की और 31वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि गत चैंपियन सर्विसेज ने मेघालय को 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में, केरल ने आखिरकार 73वें मिनट में नसीब रहमान के गोल के जरिए जम्मू और कश्मीर को 1-0 से हराया।

खो खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंनें कहा कि खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया उत्तर प्रदेश में खो खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

न्यूजीलैंड ने पहले टी20 में श्रीलंका को 8 रनों से हराया

माउंट माउंगानुई। डेरिल मिचेल के 62 और माइकल ब्रेसवेल 59 के अर्धशतकों की सहायाता से मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को पहला टी20 मुकाबला जीतने के साथ ही सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड की टीम ने इस मैच में पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। इसके बाद खेलते हुए श्रीलंकाई टीम 8 विकेट पर 164 रन ही बना पायी और उसे 8 रनों से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंकाई टीम इस मैच में एक समय जीत की ओर बढ़ रही थी और उसेन 121 रन पर केवल एक विकेट खोया था लेकिन इसके बाद मेजबान टीम के गेंदबाज जैकब डफी ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी ढ़हा दी। श्रीलंकाई टीम ने दबाव के कारण अंतिम 40 गेंदों में ही 8 विकेट खो दिए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही टिम रॉबिन्सन 11 और रचिन रवींद्र 8 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद मार्क चैपमैन 15 तो ग्लेन फिलिप्स 8 रन बनाकर आउट हुए। आधी टीम 65 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद डेरिल मिचेल ने माइकल ब्रेसवेल के साथ 100 रनों से ज्यादा की साझेदारी कर टीम का स्कोर 172 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम अच्छी शुरुआत के बाद भी जीत नहीं पायी। श्रीलंका की ओर से पाथुम निसांका और कुसल मेंडिस ने अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़े। निसांका ने 90 जबकि मेंडिस ने 46 रन बनाए।

मेलबर्न टेस्ट

तीसरे दिन का खेल खत्म, नीतीश के शतक की बदौलत भारत 9 नौ विकेट पर 358 रन बनाए

भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 116 रन पीछे

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है।

भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए।

नीतीश रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने दिलाई वापसी-

221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 3, स्कॉट बोलैंड ने 3 और नाथन लियोन ने 2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन-

स्मिथ का शतक इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

महिला एशेज से बाहर हुईं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

मेलबर्न, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली - उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी। यह देखना अभी बाकी है कि वह एशेज में यह जिम्मेदारी संभालती हैं या नहीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की परफॉरमेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, एलिसा हीली को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए देखना सुखद था और वह अच्छी लय में दिखीं, साथ ही कई बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई सीरीज से अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया वोल को भी एशेज सीरीज के लिए पहली बार बुलाया है, क्योंकि उसने भारत के खिलाफ तीन मैचों में 173 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल है। हीली के बाहर होने के बाद उसे भारत सीरीज के लिए शामिल किया गया था। फ्लेगलर ने कहा, हालांकि जॉर्जिया वोल न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेली, लेकिन उसने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की है और अपनी पहली एशेज सीरीज में जरूरत पड़ने पर वह बल्लेबाजी के लिए मजबूत विकल्प होगी। 12 से 17 जनवरी तक वनडे और 20 से 25 जनवरी तक टी20 मैचों के बाद, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड 30 जनवरी से एमसीजी में एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच खेलेंगे। यह इस स्थल पर पहला डे-नाइट मैच होगा और 1948-49 के बाद से यहां पहला महिला टेस्ट होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक इस टेस्ट के लिए टीम की घोषणा नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया टीम (वनडे और टी20): एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस (केवल टी20), अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन स्कट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

स्नूकर मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट

मकाओ में स्नूकर मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में इंग्लैड के रोनी ओ सुविलियन शॉट खेलते हुए।

प्रीमियर लीग : इप्सविच को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

लंदन, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

आर्सेनल शुक्रवार को घरेलू मैदान पर संघर्षरत इप्सविच टाउन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

लिआंड्रो ट्रॉसार्ड के क्रॉस के बाद काई हैवर्टज़ का 23वें मिनट में किया गया टैप-इन, खेल का निर्णायक बिंदु साबित हुआ, जिसमें आर्सेनल ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा, इप्सविच ने खेल के दौरान केवल तीन शॉट ही लगाए, जिनमें से कोई भी निशाने पर नहीं लगा।

हैवर्टज़ ने आर्सेनल की बढ़त को दोगुना करने का मौका गंवा दिया, जबकि गेब्रियल जीसस के एक गोल को ऑफसाइड के कारण रद्द किया गया। अन्य मैचों में ब्राइटन और ब्रेंटफ़ोर्ड का मैच गोल रहित ड्रा रहा। गुरुवार को लिवरपूल ने लीसेस्टर सिटी को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली, जबकि फुलहम ने चेल्सी को 2-1 से हराकर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर 45 वर्षों में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने टोटेनहैम को 1-0 से हराकर अपना शानदार सत्र जारी रखा है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड की समस्याएं जारी हैं, क्योंकि उसे वोल्वरहैम्पटन वांडरर्स से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो इस जीत के साथ अंतिम तीन से बाहर आ गया है।

पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया, फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से होगा सामना

पुणे, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया।

पाइरेट्स ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली। मैट पर आखिरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरुआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15 मिनट के बाद उनकी बढ़त 12-8 के अंतर तक पहुंच गई। हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरुआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27-27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया।

एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली।

इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई।

दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया।

हालांकि, इसके डिफेंस ने पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट को रोकने के लिए संघर्ष किया, खासकर पहले हाफ में, जो अंततः हार का एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ।

पटना स्थित इस टीम ने मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया और 12 टैकल पॉइंट अर्जित किए। लेफ्ट-कॉर्नर डिफेंडर शुभम शिंदे ने डिफेंसिव प्रयासों में पांच अंक का योगदान देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाइरेट्स अब अपने चौथे पीकेएल खिताब के लिए प्रयास करेंगे जब उनका सामना रविवार को ग्रैंड फिनाले में हरियाणा स्टीलर्स से होगा।

फॉर्मूला-ई रेस मामले में केटीआर को ईडी का समन

7 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फरवरी 2023 में हैदराबाद में आयोजित फॉर्मूला ई रेस से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में बीआरएस नेता और तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामा राव को तलब किया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार और पूर्व हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए), इसी मामले में मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी को भी तलब किया गया है। केटीआर को 7 जनवरी को बुलाया गया है, जबकि कुमार और रेड्डी को क्रमशः 2 और 3 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह जांच तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी के बाद की जा रही है।

आरोप एचएमडीए से फॉर्मूला ई ऑपरेशंस लिमिटेड (एफईओ) को कुल 55 करोड़ रुपये के अनधिकृत वित्तीय हस्तांतरण पर केंद्रित हैं। जांचकर्ताओं का आरोप है कि धनराशि अनिवार्य सरकारी मंजूरी के बिना हस्तांतरित की गई थी, जबकि राज्य के मूल समझौते में आयोजन के लिए बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाएं प्रदान करने में इसकी भूमिका सीमित थी। 2023 की दौड़ के लिए 54.8 करोड़ रुपये के अतिरिक्त हस्तांतरण की भी जांच चल रही है, साथ ही भविष्य की दौड़ के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक की व्यापक वित्तीय प्रतिबद्धता भी है। ईडी द्वारा दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) में केटीआर, कुमार और रेड्डी को आरोपी के रूप में नामित किया गया है।

यह तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के परिवार से जुड़ा दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग मामला है। केटीआर की बहन के कविता को पहले दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। ईडी का समन बीआरएस पार्टी के लिए एक और राजनीतिक और कानूनी चुनौती है।

भगदड़ मामला : भास्कर अपनी शिकायत वापस लेने के लिए याचिका दायर कर सकते हैं!

हैदराबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संध्या थिएटर भगदड़ मामले में एक नया मोड़ आया है, शिकायतकर्ता भास्कर अदालत में याचिका दायर करके अपनी शिकायत वापस ले सकते हैं। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे अभिनेता अल्लू अर्जुन और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने के लिए मामले के संबंध में चार्जशीट दाखिल करेंगे।

भास्कर की पत्नी रेवती की मौके पर ही मौत हो गई और उनका बेटा, जो एक निजी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है, उस भगदड़ का शिकार हुए, जो अर्जुन के पुष्पा-2 प्रीमियर शो के लिए थिएटर में पहुंचने के बाद हुई थी।

भास्कर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने अर्जुन, थिएटर प्रबंधन, बाउंसरों और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया।अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद शुरुआती दिनों में भास्कर ने मामला वापस लेने की इच्छा जताई थी। तब से, टॉलीवुड अभिनेताओं ने त्रासदी के मुआवजे के रूप में भास्कर को 2 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि फिल्म बिरादरी ने पीड़ित परिवार को नौकरी और अन्य सुविधाएं देने का भी वादा किया है।हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शिकायत वापस लेने की कोई गुंजाइश नहीं है और वे कानूनी रूप से इस मामले में लड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायत वापस लेने का प्रावधान केवल तभी हो सकता है जब कोई मामला मामूली चोटों और फ्रैक्चर जैसे समझौता योग्य अपराधों से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक महिला की मौत हो गई है और एक नाबालिग को गंभीर चोटें आई हैं। इस बीच, कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि पुलिस घटना के संबंध में जांच करेगी और अदालत के समक्ष आरोप पत्र दाखिल करेगी। लेकिन अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि मुकदमे के दौरान शिकायतकर्ता और गवाह अपने बयानों पर कितने दृढ़ हैं। विशेषज्ञों ने तर्क दिया कि अगर वे मुकर जाते हैं, तो मामले का निपटारा अदालत द्वारा किया जा सकता है।

मंदिर की जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के प्रस्ताव पर विहिप ने जताया विरोध

हैदराबाद , 28 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की तेलंगाना प्रदेश इकाई ने शनिवार को मंदिर की जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने संबंधी राज्य सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया।

विहिप ने एक बयान में आरोप लगाया कि यह अक्षय ऊर्जा पहल की आड़ में मंदिर की जमीन हड़पने की एक चाल है और मांग की कि सरकार इस प्रस्ताव को तुरंत वापस ले, जो मंदिर की संपत्तियों के निजीकरण का नवीनतम प्रयास है।

मंदिर ने दावा किया कि सरकार मंदिर की भूमि की केवल संरक्षक है, न कि उसकी मालिक, यह तथ्य न्यायालयों द्वारा बार-बार दोहराया गया है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष सरकारों ने मंदिर के मामलों को नियंत्रित करने के लिए अपनी शक्ति का लगातार दुरुपयोग किया है, जिसके कारण कुप्रबंधन हुआ है और अरबों रुपये की मंदिर की संपत्ति का नुकसान हुआ है। वीएचपी ने सरकार पर मंदिर की संपत्तियों को सरकारी संपत्ति में बदलने और बाद में निजी व्यक्तियों को भूमि के विशाल हिस्से को बेचने के लिए 1987 के अधिनियम का उपयोग करने का आरोप लगाया। सरकार ने अपनी परियोजनाओं के लिए मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण भी किया है, जैसा कि हैदराबाद आउटर रिंग रोड के लिए हजारों एकड़ भूमि के अधिग्रहण से स्पष्ट है। वीएचपी ने मंदिरों को शून्य बजट आवंटित करने और मंदिर की आय पर 15 प्रतिशत कर लगाने के लिए सरकार की आलोचना की। सरकार मंदिर की संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रही है, और अपवित्रता की घटनाएं तेजी से आम होती जा रही हैं। संगठन वेमुलावाड़ा मंदिर का उदाहरण देता है, जहां सरकार भक्तों द्वारा दान की गई गौशाला को बनाए रखने में विफल रही। विहिप ने तेलंगाना में मंदिर भूमि की खस्ताहाल स्थिति पर प्रकाश डाला, जिसमें लगभग 2.5 लाख एकड़ भूमि 9608 मंदिरों की है।संगठन ने मंदिर भूमि अतिक्रमण के कई उदाहरण दिए हैं, जिनमें अबिड्स और बंजारा हिल्स जैसे प्रमुख स्थान भी शामिल हैं।विहिप ने सरकार से सौर संयंत्र के प्रस्ताव को वापस लेने और मंदिर की संपत्तियों की स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। न्यायमूर्ति ए. वेंकटरामरेड्डी आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक डोमेन में रखें। सभी अतिक्रमित मंदिर भूमि को पुनः प्राप्त करें।वर्तमान में सरकारी विभागों के अधीन मंदिर भूमि को पुनः प्राप्त करें। मंदिर की भूमि से अनधिकृत अन्य धार्मिक संरचनाओं को हटाएँ। यदि सरकार इन मांगों को पूरा करने में विफल रहती है तो विहिप राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी।विहिप पूरे हिंदू समुदाय से मंदिर की संपत्तियों की रक्षा करने और उन्हें सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए आंदोलन में शामिल होने का आह्वान करती है।

बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पर गरीबों को ठगने का आरोप!

हैदराबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कई पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि बहुजन समाज पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष मंधा प्रभाकर ने स्वयंसेवी संगठन चलाने की आड़ में गरीबों और यहां तक कि अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी ठगा है।पीड़ितों का दावा है कि उन्होंने मालवी करुणोदय सोसाइटी के मालिक कोंडा कृष्णम्मा के साथ मिलकर आवास, सब्सिडी और नाबार्ड योजनाओं के तहत डेयरी फार्मिंग, कृषि और मत्स्य पालन के लिए ऋण देने के झूठे वादों के तहत उनसे करोड़ों रुपये वसूले।शनिवार को तेलंगाना राज्य भर से सैकड़ों पीड़ितों ने हैदराबाद के लकडीकापुल स्थित बसपा राज्य कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। हाथ में तख्तियां लेकर उन्होंने न्याय, मंधा प्रभाकर और कोंडा कृष्णम्मा के खिलाफ कार्रवाई और अपने पैसे वापस करने की मांग की। पल्लेटी रविंदर, गुरला नागैया, मुदिगी भिक्षापति और अन्य पीड़ितों ने मीडिया से बात की और बताया कि किस तरह से दोनों ने मालवी करुणोदय सोसाइटी के माध्यम से आवास और वित्तीय सहायता का वादा करके प्रति व्यक्ति 50,000 रुपये से लेकर 2 लाख रुपये तक की राशि एकत्र की। रविंदर ने खुलासा किया कि प्रभाकर ने अकेले मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में लोगों से आवास परियोजनाओं का आश्वासन देकर 42 लाख रुपये लिए थे। हालांकि, दो साल बाद भी न तो घर बने और न ही ऋण स्वीकृत हुए। जब देरी के बारे में पूछा गया या पैसे वापस मांगे गए, तो प्रभाकर ने कथित तौर पर पीड़ितों को धमकाया। रविंदर ने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रभाकर ने उसे चेतावनी देते हुए कहा, क्या तुम जानते हो कि तुम किससे बात कर रहे हो? मैं राज्य अध्यक्ष हूं। मैं तुम्हारा भविष्य बर्बाद कर दूंगा और तुम्हें खत्म कर दूंगा। रविंदर ने अपनी जान को खतरा बताया और बीएसपी के राष्ट्रीय नेतृत्व से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने और पीड़ितों को न्याय दिलाने का आग्रह किया। प्रदर्शनकारियों ने हाशिए पर पड़े समुदायों को हुए नुकसान का हवाला देते हुए प्रभाकर को बीएसपी के राज्य अध्यक्ष पद से तत्काल हटाने की मांग की। उन्होंने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर उनका पैसा वापस दिलाने की भी मांग की।

तिरुमाला में 20 लाख श्रद्धालुओं ने श्रीवारी के किये दर्शन

तिरुमाला, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आन्ध्र प्रदेश में गत नवंबर में करीब 20.35 लाख श्रद्धालुओं ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किये। यहां शनिवार को अन्नामैया भवन में आयोजित मासिक डायल योर ईओ कार्यक्रम के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) ईओ जे श्यामला राव ने कहा कि हुंडी दान 111 करोड़ रुपये को पार कर गया, जबकि वितरित किए गए लड्डुओं की कुल संख्या 97 लाख थी। करीब 19.74 लाख भक्तों ने अन्न प्रसादम लिया, जबकि बाल चढ़ाने वालों की संख्या 7.31 लाख थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.